गुरुज्ञान

कल की बात क्यों करे, अगर आज सुहाना है, हसना है और हसाना है, जिंदगी का यही फसाना है !!

www.tripuritimes.com

त्रिपुरी टाइम्स

वर्ष 09 अंक 86

जबलपुर, मंगलवार 23 अप्रैल 2024

tripuritimes@gmail.com

पृष्ठ संख्या : 8 मूल्य : 2 रुपए

03

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अलीगढ़ में कहा, इंडी गठबंधन की नजर आपकी प्रॉपर्टी पर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अलीगढ़ के दौरे पर हैं। यहां चुनावी सभा में उन्होंने कहा-पिछली बार जब मैं अलीगढ़ आया था, तब मैंने आप सभी से अनुरोध किया था कि सपा और कांग्रेस के परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की फैक्ट्री में अलीगढ़ का ताला लगा दीजिए। आपने ऐसा मजबूत ताला लगाया कि दोनों शहजादों को आज तक इसकी चाबी नहीं मिल रही। पीएम ने कहा कि इंडी गठबंधन की नजर आपकी संपत्ति पर है। ये सत्ता में आए तो लोगों की सैलरी, घर, एफडी, वाहनों का सर्वे कराएंगे। कब्जे में लेकर बांट देंगे। इससे पहले सीएम योगी ने कहा-जिस सपा-बसपा और कांग्रेस ने आपको विकास से वंचित रखा। आपकी आस्था के साथ खिलवाड़ किया। आपकी सुरक्षा में सेंध लगाने का प्रयास किया। अब समय आ गया है। वोट के जरिए इनकी किस्मत पर अलीगढ़ का तालाकर पीएम मोदी को तीसरी बार देश की सत्ता सौंपी जाए। उन्होंने कहा कि आपकी संपत्ति पर कांग्रेस अपना पंजा मारना चाहती है। आपका स्त्री धन लूटना चाहती है। माताओं-बहनों का मंगलसूत्र अब सलामत नहीं रहेगा। यही कांग्रेस ने कहा है। इन परिवारवादी लोगों ने देश को लूटकर अपना इतना साम्राज्य बना लिया है कि देश को कुछ नहीं दिया है। अब इनकी नजर देश के लोगों की संपत्ति पर है। जनता

के धन को लूटना, देश को लूटना ही कांग्रेस अपना जन्म सिद्ध अधिकार समझती है। मोदी ने कहा कि नौकरी-पेशा वाले लोगों ने अपने बच्चों के भविष्य के लिए जो एफडी करवाई है। उसकी भी जांच कराने की बात कर रहे हैं। कांग्रेस इसका सर्वे कराएगी। फिर कांग्रेस ऐसे ही सरकार के नाम पर कब्जा करेगी। यह आपकी संपत्ति को छीनकर बांटने की बात कर रही है। कांग्रेस यहां तक जाएगी कि आपके गांव में पैतृक घर है, तो यह लोग उसे दो घर बताकर छीन लेंगे। कांग्रेस के लोग कहेंगे कि आपके पास गांव में तो एक घर पहले से ही है। इनकी यह सोच माओवादियों और कम्युनिस्टो की सोच है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन इसे भारत में लागू करना चाहती है। पीएम ने कहा कि अलीगढ़ में डिफेंस कॉरिडोर बन गया है। जो लोग सीएम योगी की पहचान बुलडोजर से करते हैं। उनकी आज आंखें खोलना चाहता हूं। यूपी में औद्योगिक क्रांति आई है। इतना उद्योग कहीं नहीं लगा है। काशी के सांसद के नाते मैं यह जानता हूं कि योगीजी मेरे भी माननीय मुख्यमंत्री हैं। मुझे गर्व होता है कि इन्होंने इतना काम किया। ब्रह्मोस मिसाइल की खेप फिलीपींस को निर्यात की है। आने वाले दिनों में यह घातक मिसाइल हमारे यूपी में बनेगी। अलीगढ़ में यही ब्रह्मोस मिसाइल बनें तो किसे गर्व नहीं होगा। सभी को होगा। आपके काम को बढ़ावा मिले। अलीगढ़ के ताले हों या हाथरस की हींग, सभी के लिए भाजपा सरकार हाथ बढ़ा रही है। पीएम ने कहा- कांग्रेस और इंडी गठबंधन के एक और खतरनाक इरादे से आपको अगाह कर रहा हूं। इनकी नजर अब आपकी कमाई पर है। आपकी संपत्ति पर है। कांग्रेस के शहजादे का कहना है कि उनकी सरकार आई तो कौन कितना कमाता है। किसके पास कितनी प्रॉपर्टी है। किसके पास कितना धन है। किसके पास कितने मकान हैं। उसकी जांच कराएंगे। इतना ही नहीं, वो आगे कहते हैं कि यह जो संपत्ति है उनको सरकार अपने कब्जे में लेकर सभी को बांट देगी। अब आप लोग सोचिए, हमारी माता-बहनों के पास सोना होता है। वह पवित्र माना जाता है। स्त्री धन होता है। कानून भी उसकी सुरक्षा करता है।

15 मई से पहले केजरीवाल के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर कर सकती है ईडी!

नई दिल्ली, एजेंसी। ईडी 15 मई से पहले सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर कर सकती है, जिसमें आम आदमी पार्टी को भी आरोपी बनाया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक ईडी यदि आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाती है तो यह पहली बार होगा जब किसी राजनीतिक दल के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट में मुकदमा चलाया जाएगा। इससे आप के लिए बड़े संकट की शुरूआत हो सकती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि चार्जशीट को ड्राफ्ट किए जाने का काम फाइनल होने वाला है। यह भी बताया गया है कि पुराने चार्जशीट्स में आरोपी लगाए गए लोगों के अलावा इस बार 4-5 और नए नाम हो सकते हैं। अरविंद केजरीवाल और के कविता के अलावा सप्लीमेंट्री चार्जशीट में गोवा के राजनीतिक कार्यकर्ता चनप्रीत सिंह का भी नाम हो सकता है। सिंह को 15 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि वह गोवा विधानसभा चुनाव में उन्होंने आप की फंडिंग का प्रबंधन किया था। ईडी का दावा है कि घोटाले की रकम का इस्तेमाल गोवा में चुनाव प्रचार के लिए किया गया। ईडी का कहना है कि इसके दायरे में राजनीतिक दल समेत कोई भी संगठन आ सकता है। जानकारों का मानना है कि यदि आप को आरोपी बनाया जाता है तो यह पार्टी के लिए अब तक का सबसे बड़ा संकट होगा। इससे पार्टी के बैंक अकाउंट से लेकर अन्य संपत्ति को सीज किया जा सकता है। कुछ जानकार तो यह भी कहते हैं कि ऐसा करना केजरीवाल की गिरफ्तारी से भी झटका होगा। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को कथित शराब घाटोले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि हवाला लेनदेन में शामिल कुछ और लोगों नाम भी चार्जशीट में सामने आ सकते हैं। ईडी अधिकारियों ने कहा कि राजनीतिक दल को आरोपी बनाना अभूतपूर्व है, लेकिन उन्होंने इसके लिए कानूनी सलाह ली है। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने भी संकेत दिए थे कि आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाया जा सकता है।

एनआईए ने 9 ठिकानों में की छापेमारी, लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े तार

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते दो साल पहले आतंकी गतिविधियों से जुड़े एक मामले में एनआईए ने जम्मू कश्मीर के 9 ठिकानों पर छापेमारी की। एजेंसी ने श्रीनगर में रहने वाले कुछ संदिग्धों के संबंध में प्राप्त विशेष जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, आतंकवाद विरोधी एजेंसी ने तलाशी शुरू की। एनआईए द्वारा कोकेरनाग (जम्मू-कश्मीर) मुठभेड़ मामले में दो आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर करने के लगभग एक महीने बाद तलाशी अभियान चलाया गया था। सूत्रों ने कहा कि मामले के संदिग्ध लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) की शाखा द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) से जुड़े हैं। लश्कर और टीआरएफ दोनों प्रतिबंधित संगठन हैं और जिहाद के नाम पर कश्मीरी युवाओं को आतंकवादी संगठनों में शामिल होने के लिए लगातार भड़काने और प्रेरित करने में शामिल रहे हैं।दोनों संगठन अपने मकसद को बढ़ावा देने और बेरोजगार युवाओं को आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए लुभाने के लिए ट्विटर, टेलीग्राम और यूट्यूब चैनलों जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर काम कर रहे हैं। लश्कर-ए-तैयबा 1990 के दशक की शुरूआत में बना सबसे बड़ा आतंकवादी समूह है और अनंतनाग क्षेत्र में सक्रिय रूप से नेटवर्क को पुनर्जीवित करने में लगा हुआ है।

पीएम मोदी के मुस्लिम वाले बयान पर भड़का विपक्ष, कहा- यही हैं संघ के संस्कार

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते रोज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान की एक चुनावी सभा में कहा था कि अगर कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आती है तो वह लोगों की संपत्ति लेकर मुसलमानों को बांट देगी। मोदी ने यह बात पूर्व प्रधानमंत्री

मनमोहन सिंह के एक बयान का हवाला देते हुए कही, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यक समुदाय का है। पीएम के इस बयान को लेकर विपक्ष ने तीखा हमला बोला है। विपक्षी की ओर से इसे घृणास्पद भाषण करार देते हुए कहा गया कि यह लोगों का ध्यान भटकाने की सोची-समझी चाल है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट करके कहा, आज मोदी जी के बौखलाहट भरे भाषण से दिखा कि प्रथम चरण के नतीजों में इंडिया जीत रहा है। मोदी जी ने जो कहा वो हेट स्पीच तो है ही, ध्यान भटकाने की एक सोची समझी चाल है। प्रधानमंत्री ने वही किया जो उन्हें संघ के संस्कारों में मिला है। उन्होंने कहा कि सत्ता के लिए झूठ बोलना, बातों का अनर्गल संदर्भ बनाकर विरोधियों पर झूठे आरोप मढ़ना यह संघ और भाजपा की प्रशिक्षण की खासियत है। मल्लिकार्जुन खरगे ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि देश की 140 करोड़ जनता अब इस झूठ के झांसे में नहीं आने वाली। उन्होंने कहा, हमारा घोषणापत्र हर एक भारतीय के लिए है। सबकी बराबरी की बात करता है। सबके लिए न्याय की बात करता है। उन्होंने अपनी पोस्ट में आगे कहा कि कांग्रेस का न्याय पत्र सच की बुनियाद पर टिका है, पर लगता है तानाशाह की कुर्सी अब डगमगा रही है। भारत के इतिहास में किसी भी प्रधानमंत्री ने अपने पद की गरिमा को इतना नहीं गिराया, जितना मोदी जी ने गिराया है। उन्होंने कहा, मोदी जी, बाबासाहेब डॉ अंबेडकर व पंडित जवाहरलाल नेहरू की ओर से दिया गया सबको समान वोटिंग का अधिकार छीनना चाहते हैं। पीएम मोदी ने रविवार को कहा कि अगर कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आती है तो वह लोगों की संपत्ति लेकर मुसलमानों को बांट देगी। मोदी ने यह बात पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के एक बयान का हवाला देते हुए कही, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यक समुदाय का है। मोदी ने राजस्थान के बांसवाड़ा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, ये अर्बन नक्सल वाली सोच.... मेरी माताओं- बहनों ये आपका मंगलसूत्र भी बचने नहीं देंगे। इस हद तक चले जाएंगे। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि ये कांग्रेस का घोषणापत्र कह रहा है कि वे माताओं-बहनों के सोने का हिसाब करेंगे, उसकी जानकारी लेंगे और फिर उस संपत्ति को बांट देंगे। और उनको बांटेगे जिनके बारे में मनमोहन सिंह की सरकार ने कहा था कि संपत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है।

किडनी,फेंफड़े,लीवर और आंखे दान कर 4 लोगों को जिंदगी दें गई रिटायर कर्नल की पत्नी

नई दिल्ली, एजेंसी। धन,दौलत जमीन संपदा दान करने वालों की संख्या काफी हो सकती है लेकिन अंगदान करके दूसरों की जिंदगी बचाने वाले आज भी कम ही होते हैं। रोहतक में रिटायर कर्नल की पत्नी ने अपने अंग दान कर 4 लोगों को जीवन दान दिया है। देश सेवा से जुड़े परिवार ने ब्रेन डेड हो चुकी महिला के अंगदान का फैसला किया और 2 लोगों को जीवनदान के साथ 2 लोगों की आंखों की रोशनी देकर पूरे प्रदेश में अंगदान की अलख जगा दी। पीजीआईएमएस निदेशक डॉ। एसएस लोहचब ने रविवार को महिला के अंतिम संस्कार में पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। मरीज के ब्रेन डेड घोषित होने के बाद डॉ ईश्वर और स्टेट ऑर्गन टिशू ट्रांसप्लांट ऑरगेनाइजेशन (सोटो) की टीम ने परिवार को अंगदान के बारे में बताया। इस पर महिला के पति, बेटे और बेटी ने अपनी मां की यादों को जिंदा रखने का फैसला किया। परिवार ने किडनी, लीवर, फेफड़े और आंखें दान करने की सहमति प्रदान की। महिला के पति रिटायर्ड कर्नल ने बताया कि उसकी पत्नी रोहतक में रहती थी। जिसके चलते जब भी उनके गांव से कोई व्यक्ति पीजीआईएमएस में इलाज करवाने आता था तो वह हमेशा उनकी पूरी मदद करती और आज जब वह दुनिया से चली गई है तब भी वह समाज के लिए एक नेक कार्य कर गई है और कई लोगों को नया जीवनदान देकर गई है। कर्नल के मुताबिक पत्नी ने हमेशा अपने परिवार को एक मजबूत स्तंभ की तरह संभाल के रखा जिसके चलते आज उनके सभी बच्चे बहुत अच्छे पदों पर कार्यरत हैं और देश की सेवा कर रहे हैं। रोहतक में रह रहे एक रिटायर्ड कर्नल की करीब 60 वर्षीय पत्नी को ब्रेन हेमरेज हो गया था।

धर्म परिवर्तन के लिए दवाब बनाने के मामले में 7 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक में 28 वर्षीय महिला की निजी तस्वीरों का उपयोग करके उसे ब्लैकमेल करने की कोशिश की गई। वहीं, महिला पर इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया गया। इस मामले में सात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है। आरोपी की पहचान रफीक और उसकी पत्नी के रूप में हुई, जो उसके साथ यौन गतिविधियों में लिप्त था। बेलगावी के पुलिस अधीक्षक भीमाशंकर एस गुलेद ने कहा, अप्रैल 2024 में आरोपी ने पीड़िता को पांच बार नमाज पढ़ने, बुर्का पहनने और कुमकुम न पहनने के लिए मजबूर किया।आरोपी रफीक ने उससे अपने पति को तलाक देने और इस्लाम धर्म अपनाकर उनके साथ रहने के लिए कहा और धमकी दी कि अगर महिला ने ऐसा नहीं किया तो उसकी निजी तस्वीरों को दुनिया से उजागर कर दिया जाएगा। पुलिस ने कहा कि आरोपी पर कर्नाटक धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार संरक्षण अधिनियम, आईटी कानून की संबंधित धाराओं, एससी/एसटी अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के तहत आरोप लगाए गए हैं, जिनमें यौन उत्पीड़न, अपहरण और आपराधिक धमकी शामिल हैं। पुलिस ने जानकारी दी कि आगे की जांच चल रही है। करके उसे इस्लाम में परिवर्तित होने के लिए मजबूर करने के आरोप में एक जोड़े और पांच अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोपी की पहचान रफीक और उसकी पत्नी के रूप में हुई, जो उसके साथ यौन गतिविधियों में लिप्त था। पुलिस ने कहा कि फिर उसने उसकी अंतरंग तस्वीरें ले लीं, जिनका इस्तेमाल वह उसे इस्लाम में परिवर्तित होने के लिए ब्लैकमेल करने के लिए करता था। पुलिस के अनुसार, पीड़ित महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि आरोपी ने अपनी पत्नी के साथ उसका यौन उत्पीड़न किया और उसे बुर्का पहनने और माथे पर कुमकुम नहीं लगाने के लिए मजबूर किया गया है। तीनों एक साथ रह रहे थे और 2023 में उसके पति रफीक ने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया और उसे इस्लाम में परिवर्तित करने की मांग की।

सियासी बहस में दखल दे रहे मंत्रीजी को युवकों ने पीटा, कई चोटें भी आईं

नई दिल्ली, एजेंसी। कहते हैं जब दो लोग बात कर रहे हों तो तीसरे को बीच में नहीं आना चाहिए। खासतौर से सियासी चर्चा हो तो चुप्पी साध लेने में ही भलाई है। लेकिन उत्तर प्रदेश में कैबिनेट मंत्री ने बिना सोचे समझे कुछ

युवकों से सियासी बहस कर ली। उन्होंने आव देखा न ताव...और मंत्रीजी पर हमला बोल दिया। यह हमला उस वक्त हुआ जब निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद एक विवाह समारोह में शामिल होने गए थे। हमले में मंत्री को मामूली रूप से चोटिल हो गए। उन्हें आनन-फानन में जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। वहीं उन पर हमले से भड़के सांसद और उनके बेटे इंजीनियर प्रवीण निषाद पार्टी के तीनों विधायकों के साथ जिला अस्पताल पहुंचे। हमलावरों के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर उन्होंने वहीं धरना शुरू कर दिया। मौके पर पहुंचे संतकबीरनगर के एसपी सत्यजीत गुप्ता ने मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया तब जाकर मंत्री और सांसद समर्थकों का गुस्सा शांत हुआ। मंत्री संजय निषाद ने अपने ऊपर हुए हमले के लिए समाजवादी पार्टी के लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। अपने ऊपर हुए हमले के लिए मंत्री संजय निषाद ने सपा से जुड़े लोगों पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि वह निषादों और अन्य जातियों का नेतृत्व कर रहे हैं। उनकी वजह से समाज में जागरूकता आई है और सपा का पतन हो रहा है। सपा की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि इन लोगों का मन पहले से बढ़ा हुआ है। जबसे मैं आया हूं ये लोग जातीय संघर्ष का प्रयास कर रहे हैं। पूर्व में हमारे अन्य नेताओं पर भी इसी तरह हमले किए गए। मीडिया से बात करते हुए कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने बताया कि वह एक कार्यकर्ता के यहां शादी समारोह में शामिल होने के लिए संतकबीरनगर के मोहम्मदपुर कठार गांव गए थे। वहीं कुछ लोग सांसद इंजीनियर प्रवीण निषाद और निषाद पार्टी के बारे में अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल कर रहे थे। बकौल मंत्री संजय निषाद उन्होंने समझाने का प्रयास किया तो वे लोग अचानक उग्र हो गए। उन्होंने मंत्री और समर्थकों पर हमला बोल दिया।

ओवैसी के बिगड़े बोल: खुद को बताया तेजस्वी का जीजा

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के किशनगंज संसदीय क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को बिहार के किशनगंज संसदीय क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी और तेजस्वी यादव पर निशाना साधा है। इस दौरान असदुद्दीन ओवैसी ने खुद को तेजस्वी का जीजा बता दिया। असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को जनसभा में कहा कि किशनगंज लोकसभा सीट पर 67% मुस्लिम वोटर हैं। उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर कहा कि मोदी सीएए-एनआरसी लागू करके मुसलमानों को नागरिकता से महरूम करना चाहते हैं। मोदी और शाह सीमांचल की जनता को घुसपैठी बोलकर तौहीन कर रहे हैं। वे एनआरसी के जरिए मुसलमानों को तकलीफ पहुंचाना चाहते हैं। सीमांचल की जनता के लिए पूर्णिया में एयरपोर्ट क्यों नहीं बनाया गया। ओवैसी ने अपनी सभाओं में मुस्लिम मतदाताओं को गोलबंद करने के लिए विवादित बाबरी मस्जिद के साथ-साथ बिल्किस बानो तक का भी जिक्र किया और केंद्र सरकार को जालिमों की सरकार बताई। ओवैसी ने तेजस्वी यादव को लेकर पूछे गए सवाल पर तंज कसते हुए कहा कि तेजस्वी दूल्हे भाई के बैगर जिंदा नहीं रह सकते। दरअसल, ओवैसी से यह सवाल किया गया था कि आप तेजस्वी यादव पर लगातार निशाना साध रहे हैं, जिसके जवाब में ओवैसी मयार्दा भूल गए और खुद को तेजस्वी यादव का जीजा बता दिया। ओवैसी ने कहा कि बिना दूल्हे भाई का नाम लिए वो जिंदा नहीं रह सकते।

ममता सरकार को झटका, हाईकोर्ट ने रद्द की 24 हजार शिक्षकों की भर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। ममता बनर्जी सरकार को कलकत्ता हाईकोर्ट ने शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में झटका दिया है। हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग द्वारा की शिक्षक भर्ती को रद्द कर 2016 का पूरा जॉब पैनल रद्द कर दिया है और लगभग 24 हजार नौकरियां रद्द कर दीं। इस भर्ती में 5 से 15 लाख रुपये की रिश्वत लेने तक की आरोप हैं। बता दें कि भर्ती घोटाले में पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और कई टीएमसी पदाधिकारियों के साथ ही राज्य शिक्षा विभाग के कई अधिकारी जेल की हवार खा चुके हैं। कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश के बाद ईडी और सीबीआई दोनों इस कथित अनियमितताओं की जांच कर रही हैं। यह घोटाला 2014 का है। तब पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमिशन (एसएससी) ने सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती निकाली थी। यह भर्ती प्रक्रिया 2016 में शुरू हुई थी। उस समय पार्थ चटर्जी शिक्षा मंत्री थे। इस मामले में कई शिकायतें कोलकाता हाईकोर्ट में दाखिल की गई थीं। याचिकाकताओं का आरोप था कि जिन उम्मीदवारों के नंबर कम थे उन उम्मीदवारों को मेरिट लिस्ट में सबसे ऊपर स्थान दिया गया था।

इनमें कुछ शिकायतें ऐसी भी थीं, जिनमें कहा गया था कि कुछ लोगों का मेरिट लिस्ट में नाम नहीं होने के बाद भी नौकरी दे दी गई। याचिकाकताओं ने दावा किया कि कुछ ऐसे भी उम्मीदवारों को नौकरी दी गई, जिन्होंने टीईटी परीक्षा भी पास नहीं की थी। जबकि शिक्षक भर्ती के लिए टीईटी की परीक्षा पास करना अनिवार्य है। इसी तरह से राज्य में 2016 में एसएससी द्वारा ग्रुप-डी की 13000 भर्ती के मामले में शिकायतें मिली थीं। हाईकोर्ट ने इन सभी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। इसके बाद ईडी ने शिक्षक भर्ती और कर्मचारियों की भर्ती के मालमे में मनी ट्रेल की जांच शुरू की थी। सीबीआई ने इस मामले में पिछले साल 18 मई को पार्थ चटर्जी से पूछताछ भी की थी।

पीएम मोदी 24 अप्रैल को भोपाल में रोड शो करेंगे

बैतूल और सागर रैली को संबोधित करेंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश में चार चरणों में लोकसभा के चुनाव हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल को प्रदेश के दौरे पर आएंगे। वे भोपाल में रोड शो और सागर, बैतूल संसदीय सीट के हरदा में रैली को संबोधित करेंगे। इन तीनों ही सीट पर तीसरे चरण में सात मई को मतदान होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भोपाल में भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा के समर्थन में एक किमी लंबा रोड शो करेंगे। वहीं, बैतूल संसदीय सीट के हरदा में रैली को भी संबोधित करेंगे। भाजपा को विधानसभा चुनाव में हरदा की दोनों विधानसभा सीट पर हार का सामना करना पड़ा था। इसके साथ ही प्रधानमंत्री सागर में रैली कर बुंदेलखंड क्षेत्र के साथ ही यहां रहने वाले अनुसूचित जाति के वोटरों को साधेंगे। दरअसल, दूसरे चरण में बुंदेलखंड की तीन सीटों दमोह, टीकमगढ़ और खजुराहो सीट पर 26 अप्रैल को मतदान होगा। बुंदेलखंड का राजनीतिक केंद्र सागर को माना जाता है, इसलिए सागर में रैली कर प्रधानमंत्री जातिगत और क्षेत्रीय दोनों समीकरणों को साधेंगे। भाजपा ने सागर सीट पर सांसद राजबहादुर सिंह का टिकट काटकर लता वानखेड़े को प्रत्याशी बनाया है। लता वानखेड़े पहली बार चुनाव लड़ रही है। वहीं, कांग्रेस ने गुड्डू राजा बुंदेला पर दांव लगाया है। बता दें, पीएम नरेंद्र मोदी 25 अप्रैल को मुरैना में भी जनसभा को संबोधित करेंगे।

दमोह सीट पर भी इस बार प्रत्याशी बदला भाजपा ने दमोह सीट पर राहुल सिंह लोधी को प्रत्याशी बनाया है। राहुल सिंह 2020 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। वे उप चुनाव हार गए थे। वहीं, इस सीट से प्रहलाद पटेल सांसद थे। वे केंद्र सरकार में मंत्री भी रहे। उनको भाजपा ने विधानसभा में चुनाव लड़ाया और प्रदेश सरकार में मंत्री बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने दमोह में पूर्व विधायक तंवर सिंह लोधी को टिकट दिया है। इसके अलावा टीकमगढ़ से भाजपा ने केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक और खजुराहो से वीडी शर्मा को प्रत्याशी बनाया है। टीकमगढ़ सीट अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित है।

लगातार सागर आ रहे पीएम : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार चौथी बार चुनाव में सागर आ रहे हैं। वे 2014, 2019, 2023 के बाद अब 2024 में भी जनसभा करने आ रहे हैं। इससे पहले 2023 के विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी संत रविदास मंदिर की नींव रखने आए थे। इस क्षेत्र में संत रविदास जी के बड़ी संख्या में अनुयायी रहते हैं और बड़ी संख्या में प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्र में रहने वाले अनुयायी जुड़े हुए हैं। ऐसे में भाजपा दूसरे चरण के लिए बुंदेलखंड से प्रधानमंत्री की चुनावी रैली सागर से करा रही है।

बुंदेलखंड में 23 प्रतिशत अजा वोटर

बुंदेलखंड में अनुसूचित जाति (अजा) वोटर बड़ी संख्या में रहते हैं। यहां की 26 विधानसभा सीटों में से छह सीटें एससी वर्ग के लिए आरक्षित हैं। बुंदेलखंड क्षेत्र में करीब 23 प्रतिशत मतदाता अनुसूचित जाति वर्ग से आते हैं। वहीं, प्रदेश की चार सीटें एससी वर्ग के लिए आरक्षित हैं। ऐसे में भाजपा अनुसूचित जाति वर्ग के वोटरों को साध कर ज्यादा से ज्यादा सीटों पर जीत सुनिश्चित करना चाहती है।

भाजपा नेता को घर में घुसकर पीटा

ग्वालियर में ऑफिस के पास से कार हटाने को लेकर हुआ विवाद

ग्वालियर। पुलिस ने बताया के कार निकालने को लेकर हुए विवाद में भाजपा ग्रामीण के सह-कोषाध्यक्ष राजा भैया गुर्जर से मारपीट हो गई। हमलावर, भाजपा नेता के घर में बने ऑफिस में घुस आए और तोड़फोड़ भी की। घटना रविवार रात की है। पुलिस ने राजा भैया के ड्राइवर शैलेंद्र गुर्जर की शिकायत पर शैलेंद्र तोमर सहित 3 अज्ञात हमलावरों पर मामला दर्ज किया है। आरोपी शैलेंद्र भी भाजपा से जुड़ा बताया गया है, जो पहले भी विवादों में रह चुका है।

आरोपी मारपीट कर भाग निकले: सीएसपी

सीएसपी नागेंद्र सिकरवार ने बताया कि शैलेंद्र गुर्जर न्यू जनकपुरी निवासी राजा भैया गुर्जर की गाड़ी चलाता है। वह राजा भैया को घर लेकर आ रहा था। उन्हें बीच रास्ते में बलेनो कार खड़ी मिली। शैलेंद्र ने बलेनो सवार से कार साइड करने के लिए कहा। इस पर विवाद हो गया, उस समय भाजपा नेता ने विवाद शांत कराया और सभी उनके घर आ गए। कुछ देर बाद शैलेंद्र तोमर और उसके साथी डंडे लेकर राजा भैया के घर में बने ऑफिस में घुस आए और मारपीट शुरू कर दी। स्टाफ को बचाने आए राजा भैया से भी मारपीट की और भाग निकले। भाजपा नेता राजा भैया ने इस घटना का सीसीटीवी फुटेज पुलिस को उपलब्ध कराया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस बाकी आरोपियों की पहचान कर रही है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले रेत को लेकर पुलिसकर्मियों का जो वीडियो वायरल हुआ था, उससे शैलेंद्र जुड़ा रहा है।

30 जून तक नलकूप खनन पर रोक, खनन की अनुमति एसडीएम देंगे

भोपाल । भोपाल जिले का भूजल स्तर बड़ी तेजी के साथ गिर रहा है। इसको देखते हुए जिला प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से 30 जून तक के लिए नलकूप खनन पर रोक लगा दी है। अब बिना अनुमति भोपाल जिले के किसी भी भाग में बोरिंग नहीं की जा सकेगी। जिला दंडाधिकारी और कलेक्टर विक्रम सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार जरूरी होने पर एसडीएम द्वारा स्वीकृति दिए जाने पर ही, बोरिंग संभव हो सकेगी। बिना अनुमति भोपाल जिले में बोरिंग को तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। यदि कहीं पर अनाधिकृत रूप से बोरिंग करते हुए पाई गई। ऐसी स्थिति में बोरिंग मशीन को जप्त कर लिया जाएगा। थाने में एफआईआर दर्ज होगी।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बड़े दामाद का देहांत, चुनावी कार्यक्रम किए गए कैंसिल

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बड़े दामाद राजा रत्नाकर सिंह रामनगर का देहांत हो गया। 61 वर्ष के रत्नाकर लगभग एक साल से कैंसर से पीड़ित थे। इसकी जानकारी खुद पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने दी है। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर बताया कि उनके बड़े दामाद राजा रत्नाकर सिंह रामनगर का देहांत हो गया है। अंतिम संस्कार के लिए वह लखनऊ पहुंचे हैं। इस वजह से मध्य प्रदेश में दिग्विजय सिंह के सारे चुनावी कार्यक्रम कैंसिल कर दिए गए हैं।

दिग्विजय सिंह ने पोस्ट से दी जानकारी : उन्होंने लिखा कि कल रात मेरे बड़े दामाद राजा रत्नाकर सिंह रामनगर का दुखद देहांत हो गया। 61 वर्ष के रत्नाकर लगभग एक साल से कैंसर से पीड़ित थे। उनके अंतिम संस्कार के लिए मैं लखनऊ में हूं। इस दुख की घड़ी में चुनाव प्रचार को विराम देकर मैं, मेरी बेटी मृणालिनी और परिवारवालों के साथ हूं। ईश्वर रत्नाकर को अपने श्री चरणों में स्थान दें और उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें! ओम शांति।

ऐसा है पूर्व सीएम दिग्गी राजा का परिवार : दिग्विजय की पहली शादी 11 दिसंबर 1969 को हिमाचल प्रदेश के रहने वाले डॉ. जगदेव सिंह की बेटी आशा कुमारी से हुई थी। पूर्व मुख्यमंत्री की पहली पत्नी आशा का साल 2013 में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। आशा और दिग्विजय के 4 बच्चे, 3 बेटियां और एक बेटा है। इनमें से एक बेटी का निधन हो चुका है। दिग्विजय ने अपनी एक बेटी मंदाकिनी की शादी गुजरात के संतरामपुर की रॉयल फैमिली में की है।

भोपाल रेल मंडल से चलाई जा रहीं 32 स्पेशल ट्रेने

भोपाल। अगर आप गर्मियों की छुट्टियों में बाहर जाना चाहते हैं, तो यह खबर आपके लिए है। भोपाल से अन्य राज्यों में जाने वाली ट्रेनों वेटिंग चल रही है। रेलवे ने कई स्पेशल ट्रेनें भी चलाईं हैं उनमें भी भारी वेटिंग चल रही है। भोपाल से दिल्ली, मुंबई, जयपुर, पुणे, जम्मू, पंजाब और बिहार जाने वाली कई ट्रेनों में अधिकतम 2 महीनों तक की वेटिंग चल रही है और यही स्थिति स्पेशल ट्रेनों की भी है। ऐसे यात्रियों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार भोपाल और मध्य प्रदेश के स्टेशनों से करीब 32 से अधिक ट्रेनें गुजरेंगी।

गुना में पीटीएस तिघरा के तीन जवानों का कारनामा

जवानों ने स्मैक के आरोप में निर्दोष को पकड़ा, एनकाउंटर करने की धमकी दी, 4 पर एफआईआर

ग्वालियर। ग्वालियर के पुलिस ट्रेनिंग स्कूल तिघरा के तीन नवआरक्षक 16 अप्रैल को गुना श्क्ष्ढ ड्यूटी में गए थे।। वहां लौटते समय उन्होंने एक युवक को स्मैक की तस्करी का आरोप लगाते हुए उठा लिया और रुपयों की मांग की। इतना ही नहीं रुपए नहीं देने पर एनकाउंटर की धमकी दी। युवक ने मामले की शिकायत गुना पुलिस में की थी। शिकायत के बाद पीटीएस तिघरा के नवआरक्षक सहित चार पुलिस कर्मियों पर मामला दर्ज हुआ है। ऋक्रक्र की सूचना मिलते ही पीटीएस तिघरा की एसपी सुमन गुर्जर ने भी तीनों नव आरक्षकों के निलंबन की तैयारी कर ली है। इस पूरे मामले से पुलिस की छवि एक बार फिर खराब हुई है। ग्वालियर के पुलिस ट्रेनिंग स्कूल तिघरा से नव आरक्षक राहुल सेंगर, शिवम बाथम, ललित कुमार 16 अप्रैल को वीआईपी ड्यूटी के लिए गुना भेजे गए थे। 16 अप्रैल को गुना में गुना लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया का नामांकन भरा जाना था। जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा व पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान शामिल हुए थे। कार्यक्रम के दौरान वीआईपी ड्यूटी के लिए ग्वालियर के तीन आरक्षकों के अलावा विजयपुर थाना का अंकित मुदगल भी ड्यूटी पर था। सीएम के निकलने के बाद इन चारों जवानों ने एक आशु नाम के लड़के को उठाया और उस पर स्मैक तस्करी का आरोप लगाते हुए एनकाउंटर की धमकी दी। इतना ही नहीं उसे छोड़ने के बदले रुपयों की मांग की गई। आशु के परिजन गुना में पुलिस के पास पहुंच गए और मामले का खुलासा हुआ। गुना के रूठियाई थाना पुलिस ने पीटीएस के तीनों नव आरक्षकों सहित चार पुलिस कर्मियों पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

पीटीएस तिघरा एसपी ने निलंबन की कार्रवाई शुरू की : जब पीटीएस के तीन जवानों के खिलाफ गुना के रूठियाई में मामला दर्ज होने का पता लगा तो पीटीएस तिघरा की एसपी सुमन गुर्जर ने तीनों जवानों को नोटिस जारी किए हैं। साथ ही तीनों के खिलाफ निलंबन के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। एसपी की अनुशंसा पर आईजी तत्काल तीनों आरक्षकों को निलंबित कर सकते हैं।

उम्मीदवारों को आपराधिक प्रकरण का विज्ञापन जारी करना होगा

भोपाल। लोकसभा निर्वाचन लड़ रहे अभ्यर्थियों एवं राजनैतिक दल आपराधिक इतिहास के विवरण सर्व साधारण की जानकारी के अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफार्म एवं समाचार पत्रों में प्रकाशित करेंगे। प्रथम प्रकाशन अभ्यर्थिता वापसी दिनांक से 4 दिवस के अन्दर द्वितीय प्रकाशन नाम वापसी के बाद के पांचवे दिन से आठवें दिन के मध्य और तृतीय प्रकाशन नाम वापसी के नौवें दिन से प्रचार समाप्ति के पूर्व मतदान दिवस के दो दिवस पूर्व तक किया जाना है। निर्वाचन आयोग के दिशा - निदेर्शानुसार राष्ट्रीय समाचार पत्र जिनकी कम से कम एक संस्करण की संख्या डीएवीपी अथवा ऑडिट ब्यूरो ऑफ सकुर्लेशन के मानक अनुसार न्यूनतम 75 हजार से अधिक हो एवं जिनका एक से अधिक राज्य में सकुर्लेशन हो ।इसी प्रकार ऐसे स्थानीय समाचार पत्रों जिनमें संख्या डीएवीपी अथवा ऑडिट ब्यूरो ऑफ सकुर्लेशन के मानक अनुसार न्यूनतम 25 हजार हो,में प्रकाशन की कार्यवाही की जाना है।रिटर्निंग ऑफीसर की हैण्डबुक के एनेक्जर-47 के आपराधिक प्रकरण वाले अभ्यर्थी एवं राजनैतिक अंतर्गत प्रारूप सी-1 से सी-8 तथा प्रारूप सीए का उल्लेख है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर दिये गये निर्णयों के परिप्रेक्ष्य में निर्वाचन लड़ रहे अभ्यर्थियों एवं राजनैतिक दलों से अपेक्षा की गई है कि आपराधिक इतिहास के विवरण सर्वसाधारण की जानकारी के अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एवं समाचार पत्रों में प्रकाशित की जाए।

पशुओं के कंकाल से भरा वाहन पकड़ाया

58 लीटर अवैध शराब भी जब्त हुई, पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

उज्जैन। ढाबला हुर्द में आयशर गाडी से बड़ी मात्रा में गाय की हड्डिया और शराब पकड़ाने के बाद ग्रामीणों ने सड़क पर चक्का जाम कर दिया। गायों के कंकाल मिलने पर पुलिस ने मामले में तीन लोगो को आरोपी बनाया है। जब्त वाहन से पुलिस को अवैध शराब भी मिली है। उज्जैन जिले के ग्राम ढाबला हर्दू थाना माकडोन को सूचना मिली थी की हड्डिया व मांस भरी आयशर गाडी आगर की और से आ रही है। जिस पर पुलिस ने नाकाबंदी करते हुए आगर तरफ से आने वाले वाहनो को रोककर चेकिंग की तो एक आयशर गाडी टढ 09 ऋक्र3984 जिसमें गाय बैल व अन्य पशु की हड्डीया मांस भरी हुई थी। गाडी में से मांस की और शराब की गंध आ रही थी। आयशर के पीछे खोलकर चेक करते हुए पाया कि एक नीले रंग की 60 लीटर वाली केन को खोलकर चैक करने पर उसमे कच्ची हाथ भट्टी की शराब भरी होना पाई गयी। मामले में पुलिस ने आरोपी मोहम्मद पिता मेहराज खान उम्र 34 साल निवासी 30 तालाब चौक खरगौन तथा प्रेमलाल पिता मदन लाल उम्र 35 साल निवासी लक्ष्मणपुरा कालिका मंदिर के पास आगर मालवा का होना बताया, पुलिस ने आयशर गाडी के मालिक को भी आरोपी बनाया है।

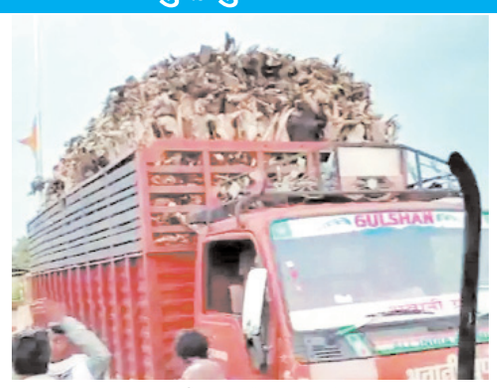

ग्रामीणों ने वाहन में की तोड़फोड़

वाहन में पशुओं की कंकाल भरे होने की जानकारी के बाद हिंदूवादी संगठन और ग्रामीणों ने चक्का जाम कर दिया था,पुलिस द्वारा घटना स्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों से बात कर जाम खुलवाया गया। जिसके बाद अज्ञात व्यक्तियों द्वारा वाहन में तोड़ फोड़ करने के कारण क्रेन की मदद से आयशर वाहन को थाने की और रवाना किया गया। चालक से पूछने पर बताया बताया गया कि गाड़ी मालिक रोशन खान पिता नौशाद खान निवासी काजीपुरा खरगोन की है जो आगर से पशुओं के कंकाल लोड कर कर मगरिया खरगोन में स्थित हड्डी फैक्ट्री गुलशन इंडस्ट्री, जिसका मालिक वाहन मालिक का बड़ा भाई इमरान पिता नौशाद खान है के यहां ले जाए जा रही थी।

भोपाल में पंखे से लटकी मिली एमबीबीएस की छात्रा

भोपाल। राजधानी भोपाल के चिरायु मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाली टइइर फर्स्ट ईयर की छात्रा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। हॉस्टल के रूम से उसकी बॉडी सुबह 11:30 बजे बरामद की गई है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि कमरे की तलाशी में सुसाइड नोट नहीं मिला है। एफएसएल टीम ने भी कमरे की जांच की है। कमरे में लैपटॉप और मोबाइल फोन मिला है। दोनों जब्त कर लिए हैं। पुलिस मोबाइल की कॉल डिटेल निकलवा रही है। जिससे साफ होगा कि आखिरी बार उसने किस से बात की है। खजूरी थाने के टीआई नीरज वर्मा ने बताया कि रानी मोरे (22) पुत्री देवी सिंह मोरे मूल रूप से ग्राम धसल गांव तहसील झिरन्या भसल जिला खरगोन की रहने वाली थी। चिरायु मेडिकल कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल के रूम नंबर 14 में रहती थी। रात को वह रूम में सोई थी। सुबह 11 बजे तक जब रूम से नहीं निकली तो वार्डन चेक करने पहुंची। आवाजें देने पर अंदर से कोई जवाब नहीं मिला।

कारपेंटर से खुलवाया गेट : तब वार्डन ने स्टॉफ को सूचना दी। कारपेंटर को बुलाकर रूम का गेट तोड़ा गया। अंदर शव दुपट्?टे के बने फंदे पर पंखे के लटका था। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर हमीदिया हॉस्पिटल की मॉचुर्री में रखवा दिया है। परिजनों के आने के बाद मंगलवार को पीएम कराया जाएगा।

अनिल फिरोजिया की नामांकन रैली में सीएम यादव शामिल हुए, रोड शो के बाद शहीद पार्क पर होगी सभा

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को दोपहर करीब 1 बजे उज्जैन पहुंचकर पार्टी प्रत्याशी अनिल फिरोजिया के नामांकन में शामिल होकर जनसभा को संबोधित करेंने पहुंचे । सीएम सोमवार को शहर में सबसे पहले वे भाजपा प्रत्याशी अनिल फिरोजिया का नामांकन जमा करने पहुंचे । इसके इसके बाद सीएम ने भाजपा के संभागीय मीडिया सेंटर का शुभारंभ किया इसके बाद सिंधी कॉलोनी स्थित हेमू कालानी उद्यान से शुरू होने वाली नामांकन रैली व रोड में शामिल हुए । खुले वाहन में सीएम, फिरोजिया, विधायक व पार्टी के वरिष्ठ नेता अभिवादन स्वीकारते हुए आगे बढ़ेंगे। नामांकन रैली उद्यान से शुरू होकर तीन बत्ती चौराहा व टावर होते हुए शहीद पार्क पर समाप्त होगी। यहां सभा भी होगी ।

हाईटेंशन लाइन से गिरी चिंगारी:20 मिनट में कार गैरेज में फैली आग, 40 लाख की छह कार जलीं

ग्वालियर। ग्वालियर में सोमवार को हाईटेंशन लाइन से नीचे गिरी चिंगारी से कार गैराज में खड़ीं छह कार जल गई हैं। सिर्फ 20 मिनट में आग ने पूरे गैरेज को अपनी गिरफ्त में ले लिया। घटना भिंड रोड पर लक्ष्मणगढ़ पुल के पास की घटना है। कार गैरेज मालनपुर के पार्षद का बताया गया है। जलती कारों का एक श्क्ख्रुड सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जिससे पता चलता है कि आग कितनी भयानक थी। घटना का पता चलते ही पुलिस और दमकल अमला मौके पर पहुंचा और समय रहते बचाव में जुट गया। जिस कारण बड़ा हादसा होते-होते टल गया। अगर समय पर पुलिस और दमकल अमला नहीं पहुंचता तो हादसा बड़ा हो सकता था।

भिंड के मालनपुर निवासी अनिल सिंह गुर्जर पुत्र कमल सिंह गुर्जर पार्षद है और महाराजपुरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मणगढ़ स्थित भिण्ड रोड पर उनका कारों का गैरेज है। सोमवार को अचानक उनके वर्कशॉप के ऊपर से निकली हाइटेंशन लाइन से निकली चिंगारी से कारों में आग लग गई। अचानक लगी आग से पहले दो कारें चपेट में आईं और जब तक पता चलता अन्य कारें भी आग की चपेट में आ गईं। घटना की सूचना पुलिस और दमकल को दी। मौके पर पहुंचे पुलिस जवानों ने आग की तीव्रता देखते हुए अफसरों को सूचना दी। सूचना मिलते ही सीएसपी महाराजपुरा नागेन्द्र सिंह सिकरवार, टीआई धर्मेन्द्र यादव सहित अन्य बल मौके पर पहुंचे और हालातों को संभाला है।

इस तरह टाला बड़ा हादसा : मौके पर पहुंचे पुलिस अफसरों ने आग से कारों को बचाने के लिए जलती हुई कारों के आस-पास खड़ी कारों को स्थानीय लोगों की मदद से दूर किया। जिससे आग आगे ना फैले, लेकिन तब तक छह कार आग की चपेट में आने से करीब चालीस से पचास लाख रुपए का नुकसान हो गया।

यह कारें जली : आग की चपेट में आने से एक्सयूवी, सफारी, अल्टो, विस्टा, होण्डा सिटी, मारूति 800 और स्विप्ट डिजायर जलकर खाक हो गई। जबकि पास ही अन्य महंगी कारें थीं।

हो सकता था बड़ा हादसा : जिस तरह कारों ने आग पकड़ी, उससे उनके पास खड़ी कारें भी चपेट में आ सकती थीं और मौके पर पहुंचे अफसरों ने दमकल कर्मी और स्थानीय लोगों के साथ आग बुझाने के साथ ही अन्य कारों को बाहर निकाला, जिससे बड़ी घटना घटने से बच गई।

पुलिस का कहना : इस मामले में महाराजपुरा की बरैठा पुलिस चौकी इंचार्ज बृजेश भार्गव ने बताया कि आग लगने से आधा दर्जन कारें जलकर खाक हो गई हैं। समय रहते दमकल व पुलिसकर्मियों द्वारा प्रयास करने पर एक दर्जन कारें जलने से बच गई हैं। मामले की जांच की जा रही है।

खाद-बीज विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

ग्रीष्मकालीन मूँग एवं उड़द की फसल लेने वाले किसानों को गुणवत्तापूर्ण कीटनाशक एवं खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा सोमवार को शहपुरा विकासखंड के कीटनाशक एवं खाद-बीज विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। अनुविभागीय अधिकारी कृषि पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी के नेतृत्व किये गये निरीक्षण के दौरान विक्रय प्रतिष्ठानों से वैध कीटनाशकों के सम्बन्ध में रिकार्ड की जानकारी प्राप्त की गई। विक्रेताओं को रिकार्ड संधारित करने निर्देशित किया एवं एवं सही दाम पर विक्रय किये जाने कि हिदायत भी दी गई। निरीक्षण में आदित्य कृषि केंद्र भेडाघाट, तक्ष कृषि केंद्र भेडाघाट, सार्थक सहायता कृषि सेवा केंद्र शहपुरा, पुनीत कृषि केंद्र शहपुरा में बिना प्रिंसिपल सर्टिफिकेट के कीटनाशक का भण्डारण पाये जाने पर विक्रय को प्रतिबंधित करते हुये कारण बताओ नोटिस जारी किया गया एवं तीन दिवस के अन्दर जबाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। जवाब संतोष पूर्ण नहीं होने पर वरिष्ठ कार्यालय को लायसेंस निलंबन की कार्यवाही हेतु प्रकरण भेजे जाने की चेतावनी दी गई। कृषि अधिकारियों ने चण्डोक मशीनिरी शहपुरा, श्रीराम कृषि केंद्र, कमलेश कृषि केंद्र चरगंवा का भी निरीक्षण किया जहां रिकार्ड सही पाये गये। निरीक्षण में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी शहपुरा मेघा अग्रवाल एवं एग्रीकल्चर एक्सटेंशन ऑफिसर एस के परतेती, मुस्कान गायकवाड़, निधि भलावी उपस्थित थे। अनुविभागीय अधिकारी कृषि पाटन डॉ. इंदिरा त्रिपाठी ने किसानों से अपील की है कि कृषि आदान के क्रय करते समय विक्रेता से पक्का बिल अवश्य लें। विक्रेता के द्वारा बिल न देने से या निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर इसकी लिखित शिकायत करें। जिससे संबंधित पर त्वरित कार्यवाही की जा सके।

भगवान महावीर ने दिया अहिंसा का उपदेश

भगवान महावीर जयंती पर समरसता सेवा संगठन ने किया विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

समरसता सेवा संगठन द्वारा भगवान महावीर जयंती के अवसर पर एक विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन गोपाल सदन गोपालबाग में किया गया। मुख्य वक्ता डॉ जितेंद्र जामदार ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान महावीर द्वारा बताए पांच सिद्धांतों सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य, अस्तेय और अपरिग्रह के व्रत समस्त समस्याओं का समाधान है। आज के युद्धरत जगत की बात हो या द्वंद्व में फंसे हुए मानव मन की दोनों के प्रश्नों का समाधान भगवान महावीर के विचारों में मिलता है। भगवान महावीर ने संपूर्ण मानव समाज को अहिंसा का उपदेश देकर जागृत किया ताकि सभी जन एक दूसरे के प्रति प्रेम एवं करुणा का भाव रखे भगवान महावीर का क्षमावाणी उपदेश विश्व में अद्वितीय है। जब समता के साथ ममता का अर्थात अपनत्व का भाव होता है तभी समरसता का जन्म होता है सभी महापुरूषों का मूल उद्देश्य ही समरस समाज की स्थापना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति एवं विचारक एसपी गौतम ने कहा कि भगवान शब्द पांच तत्वों का प्रतिनिधित्व करता है। इसके साथ ऊर्जा का संयोग होने से ही सृष्टि का निर्माण होता है। भगवान की कृपा का सिंधु ही मनुष्य समेत सारे संसार के सुख का मूल तत्व है क्योंकि भगवान ने मानव समाज को एकरूपता में पिरोया है, श्री गौतम ने विभिन्न उद्धरणों के द्वारा भगवान महावीर के दर्शन, रामचरितमानस और श्रीमद भगवद्गीता में साम्य का निरूपण किया। समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन समरसता सेवा संगठन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी देव, संत एवं महापुरुषों संपूर्ण मानव समाज के लिए अपने उपदेश दिए एवं उनके द्वारा दिए गए उपदेश एवं शिक्षा समस्त मानव समाज के लिए उपयोगी सिद्ध हुए परंतु कालांतर में मनुष्यों ने उपदेशों के माध्यम से महापुरुषों, संतजनों को विभिन्न जाति समाजों में विभक्त कर दिया जिसके कारण समाज में असमानता व्याप्त होने लगी समरसता सेवा संगठन का मूल उद्देश्य ही कालांतर में विभक्त हुई जाति समाजों को एकत्र करके एक माला में पिरोना है । सब सबको जाने सब सबको माने इसी मूल मंत्र के साथ समरसता सेवा संगठन काम कर रहा है एवं सभी जाति समाज के प्रबुद्धजनों को एकत्रित कर महापुरुषों के द्वारा दिए गए उपदेश आत्मसात करते हुए समरसता का भाव जागृतकर आगे बढ़ रहा है ताकि भारत के नवनिर्माण में सब जाति समाज मिलकर काम करते हुए आगे बढ़े ताकि भारत माता का गुणगान पूरी दुनिया में हो। समस्त मंचासीन अतिथियों सहित जैन पंचायत सभा के अध्यक्ष कैलाश चंद्र जैन ने भगवान राम और माता शबरी, भारत माता, भगवान महावीर तथा नर्मदा मैया के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विजय महामंत्र के सामूहिक पाठ के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संगठन के सचिव उज्ज्वल पचौरी ने प्रस्तावना और स्वागत उद्बोधन के द्वारा समरसता सेवा संगठन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। श्री शिवरतन पटेल ने भगवान महावीर के जीवन वृत्त पर बोलते हुए उन्हें मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ निरूपित किया। कार्यक्रम का संचालन धीरज अग्रवाल एवं आभार अरुण अग्रवाल ने किया।

इनका हुआ सम्मान : विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह में श्री कैलाश चंद जैन अध्यक्ष जैन पंचायत महासभा, श्री सनत जैन, अनिल जैन गुड्डा, शैलेश जैन आदिनाथ, प्रदीप जैन, श्री सुकुमाल जैन, सुरेंद्र जैन, संजय चौधरी, राजनीत जैन, पंकज गोयल, अभिमन्यु जैन, गौरव जैन, मंटी ,संजय जैन आरबी, रवि जैन कक्का, आनंद जैन मट्ठू भैया, राकेश जैन दाऊ, सुजीत जैन भाऊ, सतीश जैन वर्धमान, मनीष जैन फडनीश, सरस जैन, श्रीमती प्रभा जैन, अशोक जैन का सम्मान किया गया।

यह रहे उपस्थित : इस अवसर पर बाबूलाल नामदेव, अनूप तिवारी, संजय सिंघई, आलोक पाठक, पुनीत मिश्रा, आशीष इंदुरख्या, हेमराज उपाध्याय, पीयूष तिवारी, शिवेंद्र सिंह चौहान, कैलाश नेमा, विजय रजक, सुदेश सोनी, अवतार सिंह बांगा, रणजीत सिंह बुमराह, शंकर चोदहा, आशुतोष पांडे, रामबाबू विश्वकर्मा, विनीत यादव, संग्राम सिंह राठौर, लेखराज सोनकर, मनीष शिवहरे, सुलभ जैन, मनोज सेठ, अमित जैन बासु, राहुल जैन, सहित अन्य जाति समाज के प्रमुख जन उपस्थित थे।

तेजी से बढ़ रहा है रसायन उद्योग : कमिश्नर

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

कमिश्नर अभय कुमार वर्मा ने ज्ञानाश्रय निःशुल्क कोचिंग क्लासेस में युवाओं को मार्गदर्शन करते हुये कहा कि रसायन उद्योग में ओर्गनिक और इन ओर्गनिक उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। मानव जीवन में रसायन का महत्व बढ़ने से रसायन उद्योग में भी बढोत्तरी हो रही है। जैसे पैट्रोकैमिकल उद्योग, प्लास्टिक उद्योग, कोस्मेटिक प्रोडक्ट्स, कलर, डाई, फार्मास्यूटिकल्स उद्योग इत्यादि है। उन्होंने कहा कि भारत में पहला कैमिकल प्लांट 1901 में कोलकाता में खोला गया। देश में वर्तमान समय में रसायन उद्योग की संख्या लगभग 900 के करीब है। जिसमें कुल 23 तेल रिफाइनरी है। जिसमें मध्यप्रदेश के बीना में भारत पेट्रोलियम कॉपरेशन लिमिटेड द्वारा संचालित है। इसी तरह असम के डिगबोई, ओडिशा के पारादीप में जामनगर, भटिंडा आदि में स्थित है। जबकि फार्मास्यूटिकल्स उद्योग जो कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, सिक्किम आदि में फल-फूल रहा है। इनके लिए कौशल युक्त युवाओं, सरकार की नीतियों के कारण, फोरीन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट में सौ प्रतिशत के साथ भारत में कोई भी विदेशी भी सीधा भारत में निवेश कर सकता है। भारत में फार्मास्यूटिकल्स उद्योग की संख्या 7500 से अधिक है। जिसमें सरकारी क्षेत्र के 20 है। जो कि बम्बई, पुणे ,नासिक, अहमदाबाद, बड़ोदरा में स्थित है।

गेहूं उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

अपर कलेक्टर नाथूराम गौड ने पाटन के खरीदी केन्द्र नुनसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सर्वेयर से गेहूं की गुणवत्ता का परीक्षण कर किसानों से कहा कि वे साफ-सुधरा गेहूं लायें। साथ ही खरीदी केन्द्र में कृषकों के लिये पेयजल, टेंट आदि व्यवस्थाऐं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

प्राकृतिक संसाधनों का करें सुव्यवस्थित उपयोगः डॉ. एस.के.चैधरी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में कृषि अनुसंधान भवन नई दिल्ली, डीडीजी, नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट (एनआरएम) डॉ. एस. के. चैधरी एवं आईआईएफएसआर,मेरठ डॉ.सुनील तिवारी का आगमन हुआ। इस दौरान डीडीजी डॉ. चैधरी एवं डॉ. तिवारी द्वारा माइक्रोब रिसर्च एण्ड प्रोडक्शन सेंटर, आईएफएस यूनिट, डेयरी, मेडिशनल गार्डन एवं बीज संग्राहालय का निरीक्षण किया गया और यहां के वैज्ञानिकों को उचित दिशा-निर्देश दिये गये। गौरतलब है कि जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय,जबलपुर के कुलगुरू डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में सतत रूप से शोध कार्य एवं शैक्षणिक कार्य संपादित किये जा रहे हैं। निरीक्षण उपरांत डॉ. चैधरी ने माइक्रोब रिसर्च एण्ड प्रोडक्शन सेंटर के द्वारा बनाये जा रहे विभिन्न प्रकार के जैव उर्वरकों की सराहना की और कहा कि केन्द्र में आधुनिक मशीनें हैं जिससे यहां पर जैव उर्वरक पर्याप्त मात्रा और उत्तम क्वालिटी के फसलों एवं पोषक तत्वों के अनुरूप तैयार किये जा सकते हैं। जो प्रदेश ही नही पूरे देश के लिये हितकारी कदम हेगा। आपने निरीक्षण के दौरान मेडिशनल गार्डन में औषधीय पौधों की विभिन्न किस्मों के बारे में जानकारी प्राप्त की और उनसे विभिन्न बीमारियों में सहायक पत्तियों एवं बनने वाले पाउडर को लेकर भी गंभीरता से चर्चा की। आपने आईएफएस यूनिट और डेयरी में पहुंचकर वहां की गतिविधियों के बारे में जाना और किसानों के मध्य इसे प्रचलित करने का आवहन किया। साथ ही गोबर की खाद एवं केंचुआ खाद के संबंध में वैज्ञानिकों से फसलों में अधिक उपयोग हेतु चर्चा की। इसके अलावा बीज संग्राहालय में भी कृषि अनुसंधान भवन नई दिल्ली के डीडीजी, नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट (एनआरएम) डॉ. एस.के.चैधरी एवं आईआईएफएसआर,मेरठ डॉ. सुनील तिवारी ने पहुंचकर वहां पर संरक्षित विभिन्न किस्मों के बीजों को देखा और उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की। दरअसल जनेकृविवि के बीज संग्राहालय में परम्परागत बीज भण्डारण में क्रमागत विकास, मध्यप्रदेश में चारा अनुसंधान एवं विकास, के धान, लघुधान्य के बीजों का अनूठा संग्रह एक ही स्थान पर उपलब्ध है। इसके साथ ही डॉ. एस.के. चैधरी ने मृदा विज्ञान विभाग का भी निरीक्षण कर यहां की शैक्षणिक गतिविधियों एवं छात्र-छात्राओं से रूबरू हुये। निरीक्षण के दौरान विभिन्न इकाईयों के प्रमुखों द्वारा कृषि अनुसंधान भवन, नई दिल्ली के डीडीजी, नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट (एनआरएम) डॉ. एस.के.चैधरी एवं आईआईएफएसआर, मेरठ डॉ.सुनील तिवारी को इस अवसर पर संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतु, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. आर.एस.शुक्ला, मृदा विज्ञान विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पी.एस.कुल्हाड़े, पादप कार्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर. के. समैया, सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.प्रवीण कुमार मिश्रा, डॉ. जे.पी.लखानी, डॉ. ब्रजेश दीक्षित, बायोफर्टिलाईजर सेंटर के प्रमुख डॉ. वाय.एम.शर्मा,, डॉ. ज्ञानेन्द्र तिवारी, डॉ.एच.के. राय. डॉ. अनुभा उपाध्याय, डॉ. एम. के. अवस्थी, डॉ. विभा पांडे,डॉ. सुव्रता शर्मा, डॉ. एस.बी.अग्रवाल, डॉ. नमृता जैन, डॉ. अनय रावत, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. बी.एस.द्विवेदी, डॉ. जी.एस.टैगोर, डॉ. अमित झा, डॉ. शिवरामकृष्णन, डॉ. आशीष गुप्ता, डॉ. आर.पी.साहू, डॉ. विकास गुप्ता, डॉ. राकेश साहू, डॉ. फूलचंद्र अमूले, डॉ. अभिषेक शर्मा सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

हाजी सुब्हानल्लाह शाह बाबा का 87 वॉ दो दिवसीय उर्स आज से शुरू

पहले दिन शान से निकला चादर जुलूस

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

रविन्द्र नाथ टैगोर वार्ड के सुब्हान बाग स्थित हजरत हाजी मोहम्मद सुब्हानल्लाह शाह रह.अलैह का 87 वॉ दो दिनी उर्स का आगाज आज चादर जुलूस के साथ हुआ। दरबारे सुब्हानिया के सज्जादानसीन बदरुद्दीन गुड्डु बाबा की सरपरस्ती में अकीदत व मोहब्बत के साथ चादर संदल जुलूस निकाला गया चादर जुलूस में मौलाना जुनून नक्शबंदी, नागपुर से बाबा के खानदान से तशरीफ लाये जमील भाई, गब्बू भाई, नसीम भाई, रियाज भाई,यार मोहम्मद अंसारी, सुल्तान खान, रफीक पहलवान,सहित सैकड़ो अकीदत मंद शामिल रहे । मरहूम सलाम साहब, कलाम साहब, के मकान चांदनी चौक से चादर संदल चादर जुलूस निकाला गया। मुस्लिम बहुल क्षेत्र मंडी मदार टेकरी, हड्डिगोदाम ,पचकुंयाँ होते हुए चादर जुलूस दरगाह शरीफ पहुंचा । जहाँ परम्परानुसार मजारे अकदस पर चादरपोशी और गुलपोशी की रस्म अदा की गई। रात्रि 10 बजे से महफिलें सिमा का एहतेमाम किया गया जिसमे कव्वाल ने एक से बढ़कर कलाम पेश किए। 23 अप्रैल मंगलवार को चाँदनी चौक से चादर शरीफ का जुलूस निकलेगा,जो हनुमानताल, घोड़ा नक्कास, धड़गड़ मोहल्ला, यकिनिया चौक, नालबंद मोहल्ला, चारखम्बा, बहोराबाग, ठक्कर ग्राम होता हुआ मजारे अकदस पर पहुंचेगा।। जहां चादर व गुल पोशी की रस्म अदा की जाएगी। रात्रि 10 बजे हिंदुस्तान के नामबर कव्वाल जीशान फैजान साबरी (दिल्ली) अपने मशहूर कलाम पेश करेंगे। उर्स कमेटी के सचिव कलीम खान, शारिक अली (शोनु) नईम शाह आदि ने उर्स में शिरकत का सबाबे दारेन हासिल करने की गुजारिश की है।

नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा आज

108 धुनों में हनुमान चालीसा का होगा पाठ

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से प्रति माह की पूर्णिमा को निकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा चैत्र पूर्णिमा पर आज प्रातः 7:00 बजे से 429वी परिक्रमा संचालक भगवान श्री हनुमान जी महाराज की सूक्ष्म उपस्थिति में एवं पूज्य संत महात्माओं के सानिध्य में 108 धुनों में हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए निकाली जाएगी। जो आश्रम से पंचवटी 64 योगिनी धुआंधार कल्याण तपोवन होते हुए लमेटा घाट पहुंचेगी नाव द्वारा पारकर इमलिया न्यू भेड़ाघाट होते हुए सरस्वती घाट में नाव से पार कर हरे कृष्णा आश्रम में विशाल भंडारे के साथ समापन होगा। जहां बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का वितरण स्वामी जी द्वारा प्रसाद स्वरूप आश्रम में प्रदान किए जाएंगे। उपस्थिति की अपील नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल योगाचार्य डा शिव शंकर पटेल पं मनमोहन दुबे श्याम मनोहर पटेल आदि ने की है।

जिला उपार्जन समिति की बैठक

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में जिला उपार्जन समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन का कार्य सुचारू रूप से किये जाने के लिये सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिदिन उपार्जन केन्द्रों का भ्रमण कर कृषको की समस्याओं का निराकरण कर कृषको को उपार्जन केन्द्र पर अपनी उपज विक्रय किये जाने के लिये प्रोत्साहित करें।

समस्त खरीदी केन्द्र पर अनिवार्यतः उपज अपग्रेडेशन पर लगने वाले 20 रुपए प्रति क्विंटल लेबर व्यय की दर का बैनर लगवाना तथा उपार्जन केन्द्र पर लगे सभी सर्वेयर को निर्देशित किया गया कि एफएक्यू गुणवत्ता के मापदण्ड अनुसार किसानवार जानकारी संधारित की जावे एवं उपार्जन केन्द्रों पर कृषको की सुविधा के लिये समस्त भौतिक सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

अनुत्तीर्ण छात्रो की कॉपी पुनः निःशुल्क जांचो, कुलपति को सौपा ज्ञापन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सोमवार को महाकौशल विधि छात्र संघ के संस्थापक सदस्य छात्र नेता रोहित कुरील ने विश्वविद्यालय पर आरोप लगाते हुए कुलपति को बताया कि विगत दिनो B.com द्वितीय वर्ष के पूरक परिणाम घोषित हुए, जिसमे (Major-1 Corporate Accouating और FC (Foundation Course) में अनेक छात्रो को अनुत्तीर्ण कर दिया। सभी छात्रो का कहना है कि उन्होने प्रश्न पत्र पूरा और सही हल किया था। उसके बावजूद भी उनको अनुत्तीर्ण कर दिया। वह सभी इस परिणाम से असंतुष्ट है और उनके पास यह अंतिम अवसर था। कृपया कर जिन छात्रो के परिणाम की प्रति इस ज्ञापन मे संलग्न है। उन सभी की कॉपीओ को निःशुल्क पुनः जांचे! सभी छात्र आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं जिस कारण वह पुनर्मूल्यांकन का शुल्क देने मे असमर्थ है। जल्दी से जल्दी कार्यवाही करे जिससे छात्र अपनी आगे की पढाई सुचारु रूप से चालू रख सके। इस मोके पर एड.अंकुश चौधरी, अभिरूप चंसोरिया, रॉबिन जैन, मोहित प्यासी, अभिषेक पटेल, इमरान खान , अरुण, अभिषेक, खुशी यादव, मुस्कान, इशिका, पूजा उपस्थित रहे।

एकनाथ मोहकर बने नए प्रिंसिपल सीएसटीई

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ सिग्नल इंजीनियर्स (आईआरएसएसई) वर्ष - 1988 बैच के वरिष्ठ रेल अधिकारी एकनाथ मोहकर ने पश्चिम मध्य रेल में सोमवार 22 अप्रैल 2024 को प्रमुख मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है। मोहकर ने अपना पदभार धर्मवीर मीना से ग्रहण किया। धर्मवीर मीना का तबादला मध्य रेल में प्रमुख मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर के पद पर हुआ है। मोहकर पश्चिम मध्य रेल में पीसीएसटीई का कार्यभार ग्रहण करने से पहले पूर्व मध्य रेल हाजीपुर में मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर (कंस्ट्रक्शन) के पद पर कार्यरत थे। दीर्घ अनुभवों के धनी मोहकर रेलवे के विभिन्न मण्डलों में अपनी सेवाएं प्रदान कर चुके हैं। आज मुख्यालय सभाकक्ष में नवागत प्रिंसिपल सीएसटीई का रेल अधिकारियों ने स्वागत किया साथ ही धर्मवीर मीना जी को भावभीनी विदाई दी गई।

श्री विकास कुमार जैन का दुःखद निधन

विकास कुमार जैन

गोटेगाँव (श्रीधाम) निवासी- दानागंज, आजाद वार्ड स्वर्गीय श्री सुरेश चंद जैन जी के कनिष्ठ पुत्र तथा श्री राजेश जैन, श्री सुबोध कुमार जैन व श्री विभाष कुमार जैन के छोटे भाई श्री विकास जैन का 56 वर्ष की आयु में स्वर्गवास हो गया ह। उनका अंतिम संस्कार गोटेगांव में दिनांक 23 अप्रैल को दोपहर 3 बजे गोटेगांव शमशान घाट पर किया जवेगा । पता-76, आजाद वार्ड, गौरीशंकर मंदिर के सामने, गोटेगाँव, नरसिंहपुर

विश्व युद्ध के अनुभवों से समय रहते दुनिया को सबक लेने की जरूरत

संपादकीय

पिछले दो विश्व युद्धों के इतिहास से ज्यादातर लोग वाकिफ हैं। दो देशों के बीच शुरू हुआ टकराव कब एक युद्ध में बदल जाए, कब वह दोनों पक्षों के सहयोगी देशों के बीच फैल जाए और विश्व युद्ध की शक्ल ले ले, कहा नहीं जा सकता। विडंबना है कि अतीत के अनुभवों से सबक लेना जरूरी नहीं समझा जाता। अमूमन हर युद्ध में इसी गलती को दोहराया जाता है। अब इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष की आग अन्य देशों की ओर भी फैलती दिखने लगी है। गौरतलब है कि हाल ही में दमिश्क में ईरान के दूतावास पर इजराइल की ओर से हमला करने की खबर आई थी। उसमें ईरान के दो जनरलों की मौत हो गई थी। उसके बाद से ईरान ने इसे मुद्दा बनाया हुआ है और जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है। मगर अब मामला धमकियों से आगे बढ़ गया लगता है और ईरान ने जिस तेवर में जवाबी कार्रवाई की बात की है, उससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। अमेरिका ने भी ईरान के हमले की तैयारी को लेकर चेतावनी दी है। भारत और अमेरिका सहित कई देशों ने अपने नागरिकों को सलाह दी है कि वे इस समय इजराइल और ईरान जाने से बचें। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि जो लोग अभी ईरान या इजराइल में रह रहे हैं, वे वहां के भारतीय दूतावासों से संपर्क करें और अपना पंजीकरण कराएं। ईरान में फिलहाल लगभग चार हजार और इजराइल में साढ़े अठारह हजार भारतीय रहते हैं। मगर ईरान के तेवर तीखे होने के बाद जिस तरह युद्ध का दायरा फैलने की आशंका मंडराने लगी है, उसके मद्देनजर भारत सरकार इन दोनों देशों में रह रहे भारतीयों की संभावित निकासी के साथ-साथ अचानक पैदा होने वाली स्थितियों से निपटने की तैयारी कर रही है। जाहिर है, अगर किन्हीं वजहों से बातचीत के जरिए स्थिति को संभाला नहीं गया, युद्ध को टाला नहीं जा सका तो फिलहाल फिलिस्तीन और इजराइल के बीच चल रहे जंग का दायरा चिंताजनक स्तर तक फैल जा सकता है। इसलिए भारत या अन्य देशों का अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए समय रहते कदम उठाना जरूरी है।

कैसे जिएं खुशियों भरी एक प्यारी जिंदगी

जिंदगी बहुत खूबसूरत चीज है। खूबसूरत इसलिए क्योंकि यह असीम संभावनाओं से भरी हुई है। आज आप जिस भी वजह से परेशान है, आपको जो भी तकलीफ है, आप सब कुछ धीरे-धीरे ठीक कर सकते हैं। आप विपरीत स्थितियों को अपने पक्ष में कर सकते हैं। अगर आप डिप्रेशन का शिकार हो गए हैं, तो धीरे-धीरे उससे लड़कर दोबारा खुद पर भरोसा करना शुरू कर सकते हैं। दोबारा जिंदगी के बाग में खुशियों की तितलियों के पीछे भाग सकते हैं। जिंदगी का अपने में कोई रंग नहीं होता। उसमें रंग हम भरते हैं। जिंदगी में स्थितियां होती हैं। सभी स्थितियां अपने में उदासीन होती हैं। उन्हें हम अपनी अपेक्षा से अच्छी और बुरी बनाते हैं। जो घटना हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप घटती है, उसे हम अच्छी कहते हैं और जो अपेक्षाओं के खिलाफ जाती है, उन्हें हम बुरी कहते हैं।

कुछ दिनों पहले बातचीत के दौरान मेरी बेटी ने मुझसे पूछा डू पापा, क्या यह जरूरी है कि हर इंसान महान बनने की कोशिश करे, अपने पीछे अपना बड़ा नाम और बड़ा काम छोड़ जाए ताकि दुनिया उसे हमेशा याद करे। क्या ऐसा नहीं हो सकता कि हम छोटी-छोटी चीजों से मिलने वाली खुशियों को सहज ही जीते हुए पूरा जीवन गुजार दें। बेटी ने सहज ही यह बात मुझसे कही, पर उसकी बात मेरे जहन में बैठ गई। मेरे लिए यह जिंदगी को देखने का एक बिलकुल ही नया नजरिया था। मैंने जो जीवन जिया था उसमें तो हमेशा ही कुछ बड़ा काम करते हुए महानता की ओर जाने की कोशिश करना और मरने के बाद अपना नाम और काम छोड़ जाना, यही बात मन की तहों में नीचे दबी रही थी और यही प्रेरित भी करती थी और धक्का भी लगाती थी। लेकिन अपने जीवन को महान बनाने के दबाव के बिना जीने वाली बात मैंने कभी सोची ही नहीं थी। ऐसा नहीं कि मुझ पर किसी का दबाव था, पर मेरा परिवेश मुझे ऐसे सोचते हुए ही जीवन जीने की कोशिश करवा रहा था। ऐसा मेरे जैसे और मुझसे अलग बाकी लोगों के साथ भी था। शायद ज्यादातर के साथ। खासकर वे जो मध्यवर्ग से ताल्लुक रखते थे।

बेटी की बात जहन में ऐसी फंसी कि मैं सोचने लगा कि एक आदर्श जीवन कैसा हो सकता है। बिना खुशियों के जीवन आदर्श नहीं हो सकता था। जीवन में खुशियों का होना उसके आदर्श होने की पहली शर्त थी। लेकिन खुशियों को सुनिश्चित कैसे किया जाए। इस सवाल पर मंथन किया तो कुछ बातें दिमाग में आईं। मुझे खुशियों भरे जीवन के लिए चार बातें जरूरी लगीं।

1 माइंडफुलनेस - अज्ञान में सबसे ज्यादा दुख छिपा हुआ है। खुशी के लिए जागरूक होना, अवेयर होना बहुत जरूरी है। हमें पता होना चाहिए कि हमारे साथ क्या हो रहा है और क्यों हो रहा है। माइंडफुलनेस आती है मेडिटेशन से। इसलिए ध्यान का अभ्यास जरूर करें।

2 -ग्रैटिट्यूड - जब तक हमारे मन में परमात्मा के प्रति या कहें कि सुप्रीम शक्ति के प्रति ग्रैटिट्यूड नहीं कि हमें उससे ऐसा अद्भुत जीवन मिला, हेल्दी शरीर मिला, माता-पिता, घर, भाई-बहन, दोस्त मिले, तब तक हमारे पास खुशी नहीं आ सकती।

3 - स्वयं से प्रेम अगर आप खुद से प्रेम नहीं करते, तो आप किसी और से भी प्रेम नहीं कर सकते और बिना प्रेम के जीवन में खुशी की कल्पना नहीं की जा सकती।

4 - प्रकृति से जुड़ाव- हम जिन पांच तत्वों से मिलकर बने हैं सब हमें प्रकृति से ही प्राप्त हुए हैं। एक तरह से प्रकृति ही हमारी जननी है। जैसे एक बच्चा अपनी मां से जुड़े रहकर ही खुश रहता है, पोषित होता है, वैसे ही खुश रहने और पोषित होने के लिए हमारा प्रकृति से जुड़े रहना जरूरी है।

छोटी बातों में खुशियां- खुश होने के अगर बड़ी बातों का इंतजार करोगे, तो जिंदगी निकल जाएगी। सुबह उठकर आंख खोलने, पहली सांस लेने, पानी का घूंट भरने, एक फूल को देखने, एक चिड़िया का गीत सुनने, पैदल चलने, धूप में जाने, बारिश को देखने, दोस्त से मिलने, मां-बाप के साथ चाय पीने, सूर्यास्त देखने जैसी बहुत छोटी-छोटी बातों पर खुश होना आ गया, तो जिंदगी को आप सहज ही खुशियों से लबरेज कर लोगे। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

आखिर कब थमेगी अपने ही युवाओं से खून की होली

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इस ऑपरेशन के लिए सुरक्षाबलों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। जवान नक्सलियों के अड्डे तक पहुंचने के लिए 20 घंटे तक पैदल चले हैं। नक्सलियों के समूह को देखने के बाद पुलिस ने फायरिंग शुरू की थी। जब बंदूकें शांत हुईं, तो जंगल के फर्श पर सूखे पत्तों के बीच 29 माओवादी मृत पड़े थे। इनमें ललिता, शंकर और दूसरे कमांडर विनोद गावड़े के शवों की पहचान सबसे पहले की गई। मृतकों में पंद्रह महिलाएं भी थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ मिली सफलता को केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार की उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस अभियान को गति मिली है। नक्सली इलाकों में सुरक्षा बल कैंप लगाए जा रहे हैं। 19 के बाद इनकी संख्या 250 हो गई है।

छत्तीसगढ़ में पिछले 14 सालों के भीतर 1582 नक्सली मुठभेड़ हुई है। इन मुठभेड़ के दौरान 1452 नक्सली मारे गए हैं। इस बीच 1002 आम नागरिकों की भी मौत हुई है। वहीं इन हमलों में 1222 जवान शहीद हो चुके हैं।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इस ऑपरेशन के लिए सुरक्षाबलों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। जवान नक्सलियों के अड्डे तक पहुंचने के लिए 20 घंटे तक पैदल चले हैं। नक्सलियों के समूह को देखने के बाद पुलिस ने फायरिंग शुरू की थी। जब बंदूकें शांत हुईं, तो जंगल के फर्श पर सूखे पत्तों के बीच 29 माओवादी मृत पड़े थे। इनमें ललिता, शंकर और दूसरे कमांडर विनोद गावड़े के शवों की पहचान सबसे पहले की गई। मृतकों में पंद्रह महिलाएं भी थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ मिली सफलता को केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार की उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस अभियान को गति मिली है। नक्सली इलाकों में सुरक्षा बल कैंप लगाए जा रहे हैं। 19 के बाद इनकी संख्या 250 हो गई है। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस से भी मदद मिल रही है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद तीन महीने में 80 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। 125 गिरफ्तार हुए हैं और 150 ने आत्मसमर्पण किया है। देश के 10 राज्यों में 70 जिलों में नक्सलवाद का प्रभाव है। इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य झारखंड जहां 16 जिले हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित 14 जिले शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में पिछले 14 सालों के भीतर 1582 नक्सली मुठभेड़ हुई है। इन मुठभेड़ के दौरान 1452 नक्सली मारे गए हैं। इस बीच 1002 आम नागरिकों की भी मौत हुई है। वहीं इन हमलों में 1222 जवान शहीद हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ में नई सरकार के गठन के बाद नक्सलियों को आशंका थी कि सरकार उनके खिलाफ अभियान तेज करेगी और हुआ भी ऐसा ही। राज्य की नई सरकार ने शान्ति का प्रस्ताव भी सामने रखा था लेकिन नक्सल नेताओं की तरफ से इस प्रस्ताव पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। वहीं दूसरी तरफ पुलिस और सुरक्षाबलों को बस्तर में फ्री हैण्ड कर दिया गया हैं। ऐसे में पिछले तीन महीनों में नक्सलियों को कई बड़े नुकसान उठाने पड़े हैं। अब तक जहां माओवादियों के बटालियन स्तर के नेता ही ढेर हुए थे तो इस बार शंकर राव जैसे डिवीजन लेवल का नेता पुलिस के गोली का शिकार हुआ हैं। ऐसे में नक्सली प्रदेश में पूरी तरफ से बैकफुट में हैं। अब लगातार सवाल किये जा रहे हैं कि आखिर कब तक छत्तीसगढ़ को इस नक्सल दंश से छुटकारा मिल पायेगा और बस्तर में खून की होली थमेगी। सरकार, सुरक्षा बलों एवं स्थानीय लोगों की संयुक्त कोशिशों का परिणाम है कि पिछले एक दशक में वामपंथी अतिवाद संबंधी घटनाओं, मौतों और उनके भौगोलिक प्रसार में काफी कमी आई है। जहाँ वर्ष 2010 में वामपंथी अतिवाद से प्रभावित ज़िलों की संख्या 96 थी वहीं वर्ष 2018 में प्रभावित ज़िलों की संख्या 60 रह गई है। वर्ष 2009 में जहाँ नक्सलवाद की घटनाओं और इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या क्रमश 2258 व 1005 थी वहीं वर्ष 2018 में यह संख्या घटकर क्रमश 833 एवं 240 रह गई। देश के जिन 8 राज्यों के लगभग 60 जिलों में यह समस्या बनी हुई है उनमें ओडिशा के 5, झारखंड के 14, बिहार के 5, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 10, मध्य प्रदेश के 8, महाराष्ट्र के 2 तथा बंगाल के 8 जिले शामिल हैं। वर्ष 2015 के बाद से नक्सलियों के 90 प्रतिशत हमले लगभग चार राज्यों- छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार और ओडिशा में हुए हैं।

माओवादियों के थिंक-टैंक और प्रथम पंक्ति के नेता या तो मारे जा चुके हैं या इस विचारधारा को छोड़ चुके हैं। भारत में नक्सली हिंसा की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग ज़िले के नक्सलबाड़ी नामक गाँव से हुई और इसीलिये इस उग्रपंथी आंदोलन को 'नक्सलवाद' के नाम से जाना जाता है। ज़मींदारों द्वारा छोटे किसानों के उत्पीडन् पर अंकुश लगाने के लिये सत्ता के खिलाफ चारू मजूमदार, कानू सान्याल और कन्हाई चटर्जी द्वारा शुरू किये गए इस सशस्त्र आंदोलन को नक्सलवाद का नाम दिया गया। यह आंदोलन चीन के कम्युनिस्ट नेता माओ त्से तुंग की नीतियों का अनुगामी था। आंदोलनकारियों का मानना था कि भारतीय मज़दूरों और किसानों की दुर्दशा के लिये सरकारी नीतियाँ ज़िम्मेदार हैं। ये लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ हैं और ज़मीनी स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को खत्म करने के लिये हिंसा का सहारा लेते हैं। ये समूह देश के अल्प विकसित क्षेत्रों में विकासात्मक कार्यों में बाधा उत्पन्न करते हैं और लोगों को सरकार के प्रति भड़काने की कोशिश करते हैं। केंद्र और राज्य सरकारें माओवादी हिंसा को मुख्यत कानून-व्यवस्था की समस्या मानती रही हैं, लेकिन इसके मूल में गंभीर सामाजिक-आर्थिक कारण भी रहे हैं। नक्सलियों का कहना है कि वे उन आदिवासियों और गरीबों के लिये लड़ रहे हैं, जिनकी सरकार ने दशकों से अनदेखी की है। वे ज़मीन के अधिकार एवं संसाधनों के वितरण के संघर्ष में स्थानीय सरोकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं। माओवाद प्रभावित अधिकतर इलाके आदिवासी बहुल हैं और यहाँ जीवनयापन की बुनियादी सुविधाएँ तक उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इन इलाकों की प्राकृतिक संपदा के दोहन में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों ने कोई कमी नहीं छोड़ी है। यहाँ न सड़कें हैं, न पीने के लिये पानी की व्यवस्था, न शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ और न ही रोज़गार के अवसर। नक्सलवाद के उभार के आर्थिक कारण भी रहे हैं।

नक्सली सरकार के विकास कार्यों के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न करते हैं। वे आदिवासी क्षेत्रों का विकास नहीं होने देते और उन्हें सरकार के खिलाफ भड़काते हैं। वे लोगों से वसूली करते हैं एवं समांतर अदालतें लगाते हैं। प्रशासन तक पहुँच न हो पाने के कारण स्थानीय लोग नक्सलियों के अत्याचार का शिकार होते हैं। अशिक्षा और विकास कार्यों की उपेक्षा ने स्थानीय लोगों एवं नक्सलियों के बीच गठबंधन को मज़बूत बनाया है। नक्सलवादियों की सफलता की वज़ह उन्हें स्थानीय स्तर पर मिलने वाला समर्थन रहा है, जिसमें अब धीरे-धीरे कमी आ रही है। सरकार नक्सली चरमपंथ से निबटने के लिये बहुआयामी रणनीति अपना रही है। इसमें सुरक्षा एवं विकास से संबंधित उपाय तथा आदिवासी एवं अन्य कमज़ोर वर्ग के लोगों को उनका अधिकार दिलाने से संबंधित उपाय शामिल हैं। सरकार वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे, कौशल विकास, शिक्षा, ऊर्जा और डिजिटल संपर्कता का यथासंभव विस्तार करने के भी प्रयास कर रही है।

सरकार की इस नीति के परिणामस्वरूप नक्सलियों के हौसले कमज़ोर हुए हैं तथा उनके आत्मसमर्पण की संख्या लगातार बढ़ रही है। विमुद्रीकरण ने भी नक्सलियों को पहुँचने वाली वित्तीय सहायता पर लगाम लगाई है और इसके बाद से अब तक 700 से अधिक माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। सरकार वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में सड़कें बनाने की योजना पर तेज़ी से काम कर रही है और वर्ष 2022 तक 48877 किमी. सड़कें बनाने का लक्ष्य रखा गया है। वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में संचार सेवाओं को मज़बूत बनाने के लिये सरकार बड़ी संख्या में मोबाइल टावर लगाने का काम कर रही है। इसके तहत कुल 4072 टावर लगाने का लक्ष्य रखा गया है। निश्चित तौर पर पुलिस की दवाब बनाने की सक्रिय कार्रवाई और विकास बहुआयामी योजनाओं से नक्सली समस्या जड़मूल से समाप्त हो सकेगी।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत का व्यापार घाटा 36 प्रतिशत कम हुआ

विदेशी व्यापार के क्षेत्र में भारत के लिए एक बहुत अच्छी खबर आई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत के व्यापार घाटे में 36 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। यह विशेष रूप से भारत में आयात की जाने वाली वस्तुओं एवं सेवाओं में की गई कमी के चलते संभव हो सका है। केंद्र सरकार लगातार पिछले 10 वर्षों से यह प्रयास करती रही है कि भारत न केवल विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने बल्कि विदेशों से आयात की जाने वाली वस्तुओं का उत्पादन भी भारत में ही प्रारम्भ हो। अब यह सब होता दिखाई दे रहा है क्योंकि भारत के आयात तेजी से कम हो रहे हैं एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्मास युद्ध, लाल सागर व्यवधान, पनामा रूट पर दिक्कत के साथ ही वैश्विक स्तर पर मंदी के बावजूद एवं विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं के हिचकोले खाने के बावजूद भारत से वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात में मामूली बढ़ौतरी दर्ज हुई है।

केंद्र सरकार लगातार पिछले 10 वर्षों से यह प्रयास करती रही है कि भारत न केवल विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने बल्कि विदेशों से आयात की जाने वाली वस्तुओं का उत्पादन भी भारत में ही प्रारम्भ हो।

विदेशी व्यापार के क्षेत्र में भारत के लिए एक बहुत अच्छी खबर आई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत के व्यापार घाटे में 36 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। यह विशेष रूप से भारत में आयात की जाने वाली वस्तुओं एवं सेवाओं में की गई कमी के चलते संभव हो सका है। केंद्र सरकार लगातार पिछले 10 वर्षों से यह प्रयास करती रही है कि भारत न केवल विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने बल्कि विदेशों से आयात की जाने वाली वस्तुओं का उत्पादन भी भारत में ही प्रारम्भ हो। अब यह सब होता दिखाई दे रहा है क्योंकि भारत के आयात तेजी से कम हो रहे हैं एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्मास युद्ध, लाल सागर व्यवधान, पनामा रूट पर दिक्कत के साथ ही वैश्विक स्तर पर मंदी के बावजूद एवं विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं के हिचकोले खाने के बावजूद भारत से वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात में मामूली बढ़ौतरी दर्ज हुई है। जिसका स्पष्ट प्रभाव भारत के व्यापार घाटे में आई 36 प्रतिशत की कमी के रूप में दृष्टिगोचर हो रहा है। भारत का कुल व्यापार घाटा वित्तीय वर्ष 2022-23 के 12,162 करोड़ अमेरिकी डॉलर की तुलना में कम होकर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 7,812 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत में वस्तुओं का कुल आयात 67,724 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है जो वित्तीय वर्ष 2022-23 के 71,597 करोड़ अमेरिकी डॉलर की तुलना में 5.41 प्रतिशत कम है। जबकि वस्तुओं के कुल निर्यात वित्तीय वर्ष 2023-24 में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में मामूली 3.11 प्रतिशत गिरकर 43,706 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे हैं। देश के कुल निर्यात एवं आयात के बीच के अंतर को व्यापार घाटा कहा जाता है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान देश में वस्तुओं के निर्यात एवं आयात के अंतर का व्यापार घाटा 24,017 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है। परंतु, यदि वस्तुओं के निर्यात एवं आयात के आंकड़ों में सेवाओं के निर्यात एवं आयात के आंकड़े भी जोड़ दिए जाएं तो स्थिति बहुत अधिक सुधर जाती है। भारत से वस्तुओं एवं सेवाओं का कुल निर्यात वित्तीय वर्ष 2023-24 में पिछले वर्ष के उच्चत्तम रिकार्ड स्तर से भी आगे बढ़कर 77,668 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है, यह वित्तीय वर्ष 2022-23 में 77,640 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा था। इसमें वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान किया गया सेवाओं का निर्यात, जो 3.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 33,962 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, भी शामिल है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत से निर्यात होने वाली वस्तुओं में विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों, औषधियों एवं इंजीनीयरिंग वस्तुओं का अच्छा प्रदर्शन रहा है। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का निर्यात वित्तीय वर्ष 2022-23 के 2,355 करोड़ अमेरिकी डॉलर की तुलना में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 2,912 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 23.64 प्रतिशत अधिक है। इसी प्रकार, दवाओं एवं औषधियों का निर्यात भी 9.67 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए वित्तीय वर्ष 2022-23 के 2,539 करोड़ अमेरिकी डॉलर की तुलना में बढ़कर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 2,785 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है। साथ ही, इंजीनीयरिंग वस्तुओं का निर्यात भी 2.13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वित्तीय वर्ष 2023-24 में 10,932 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। कुल मिलाकर, भारत से वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान निर्यात में वृद्धि इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, दवाएं एवं चिकित्सा, इंजीनियरिंग उत्पादों, लौह अयस्क (वृद्धि दर 117.74 प्रतिशत), सूती धागा (यार्न एवं फैब्रिक में वृद्धि दर 6.71 प्रतिशत), फल एवं सब्जी (वृद्धि दर 13.86 प्रतिशत), तम्बाकू (19.46 प्रतिशत), मांस, डेयरी और पौलट्री उत्पाद (12.34 प्रतिशत), अनाज एवं विविध प्रसंस्कृत वस्तुएं (8.96 प्रतिशत), मसाला (12.30 प्रतिशत), तिलहन (7.43 प्रतिशत), आयल मील्स (7.01 प्रतिशत), हथकरघा उत्पाद एवं सेरेमिक उत्पाद तथा कांच के बर्तनों (14.44 प्रतिशत) के निर्यात के चलते सम्भव हो सकी है। साथ ही, यह वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत के प्रमुख निर्यात बाजार में अमेरिका, यूनाइटेड अरब अमीरात, यूरोपीयन यूनियन देशों, ब्रिटेन, सिंगापुर, मलेशिया, बांग्लादेश, नीदरलैंड, चीन व जर्मनी जैसे देशों के शामिल होने से भी सम्भव हो सका है।

वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव के चलते भी विशेष रूप से मार्च 2024 माह में तो भारत से वस्तुओं का निर्यात वित्तीय वर्ष 2023-24 में अपने उच्चत्तम स्तर 4,168 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जबकि वस्तुओं के आयात मार्च 2024 माह में 5.98 प्रतिशत की कमी दर्ज करते हुए हुए 5,728 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर नीचे आ गए हैं। इस प्रकार मार्च 2024 माह में वस्तुओं का व्यापार घाटा लगातार कम होकर केवल 1,560 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रह गया है। इसकी पूर्ति सेवाओं के क्षेत्र से निर्यात में हो रही लगातार बढ़ौतरी से सम्भव हो रही है। अब तो सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत कुल विदेश व्यापार में आधिक्य की स्थिति भी हासिल कर ले। वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात में वृद्धि के साथ एवं वस्तुओं एवं सेवाओं के आयात में लगातार हो रही कमी के चलते यह सम्भव हो सकता है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत के कुल व्यापार घाटे (वस्तुओं एवं सेवाओं को मिलाकर) में आई भारी कमी के चलते अब यह विश्वास पूर्वक कहा जा सकता है कि आगे आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की मांग भी बढ़ सकती है और पिछले कई दशकों के दौरान भारतीय रुपए में आ रही लगातार गिरावट को रोककर अब भारतीय रुपया न केवल स्थिर हो जाएगा (वैसे पिछले लगभग एक वर्ष के दौरान भारतीय रुपया 83 रुपए प्रति डॉलर के आसपास लगभग स्थिर तो हो ही चुका है) बल्कि भारतीय रुपए की कीमत भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ सकती है। भारतीय रुपए की अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर के साथ विनिमय दर वर्ष 1982 में 9.46 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर से 31 मार्च 2023 में 82.17 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर हो गई थी। परंतु, पिछले एक वर्ष के दौरान यह विनिमय दर लगभग स्थिर ही रही है। दूसरे, अब कई देश भारत के साथ विदेशी व्यापार को रुपए एवं उन देशों की स्वयं की मुद्रा में करने को सहमत हो रहे हैं। जिसके कारण भारत एवं इन देशों के बीच होने वाले विदेशी व्यापार का भुगतान करने हेतु अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता कम होगी, बल्कि भारतीय रुपए में ही भुगतान सम्भव हो सकेगा। इस प्रकार के व्यवहार यदि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न देशों के बीच बढ़ते हैं तो विश्व में विडालरीकरण की प्रक्रिया को भी गति मिल सकती है। भारतीय रुपए में व्यापार करने हेतु रूस, सिंगापुर, ब्रिटेन, मलेशिया, इंडोनेशिया, हांगकांग, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, ओमान, कतर सहित लगभग 32 देशों ने भारत के साथ समझौता किया है एवं भारतीय रिजर्व बैंक के साथ अपना वोस्ट्रो खाता भी खोल लिया है ताकि इन देशों को भारत के साथ किए जाने वाले विदेशी व्यवहारों के निपटान को भारतीय रुपए में करने में आसानी हो सके। (लेखक सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा के पत्रों का त्वरित निराकरण करने के दिए निर्देश

कलेक्टर प्रसाद की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक संपन्न

कटनी। कलेक्टर अवि प्रसाद की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मे समय-सीमा की बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर प्रसाद ने लोकसभा निर्वाचन कार्य, उच्च न्यायालय मे लंबित प्रकरणों मे की गई कार्यवाही, आयोग को प्राप्त शिकायतों, खाद्यान उठाव एवं आवंटन, ग्रीष्मकाल में पेयजल व्यवस्था की तैयारियों की समीक्षा की जाकर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिला पंचायत के सी.ई.ओ शिशिर गेमावत, अपर कलेक्टर साधना परस्ते, संयुक्त कलेक्टर संस्कृति शर्मा, एस.डी.एम प्रदीप कुमार मिश्रा, राकेश चौरसिया, महेश मंडलोई, डिप्टी कलेक्टर प्रमोद चतुर्वेदी, विवेक गुप्ता और ज्योति लिल्हारे एवं जिला अधिकारियों की मौजूदगी रही। कलेक्टर अवि प्रसाद द्वारा समय-सीमा की बैठक के पूर्व लोकसभा निर्वाचन हेतु संसदीय क्षेत्र शहडोल की विधानसभा बड़वारा के लिए नियुक्त सेक्टर अधिकारियों से 19 अप्रैल को बडवारा के मतदान के दौरान आनें वाली समस्याओं की जानकारी ली जाकर संसदीय क्षेत्र खजुराहो की तीन विधानसभाओं में आगामी 26 अप्रैल को निर्वाचन के दौरान इन समस्याओं का सामना न करना पडे इस हेतु आवश्यक सुझाव भी लिये गए। कलेक्टर प्रसाद ने संसदीय क्षेत्र खजुराहो हेतु 26 अप्रैल को जिले की तीन विधानसभा में होने वाले मतदान की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि मतदान केन्द्रों में पेयजल, शौचालय, कूलर, पानी, फर्नीचर एवं टेंट सहित अन्य समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं पोलिंग पार्टियों के पहले ही पूर्व कराने की सख्त हिदायत दी। कलेक्टर प्रसाद ने मतदान दलों हेतु भोजन व्यवस्था दुरुस्त रखने तथा सचिव एवं जी.आर के साथ बैठक आयोजित करने के साथ ही सेक्टर ऑफिसर्स से 25 अप्रैल को दोपहर 2 बजे एवं शाम 5 बजे ए.एम.एफ की जानकारी लेने के निर्देश दिए। कलेक्टर प्रसाद द्वारा विभिन्न विभागों के उच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों तथा प्राप्त नवीन प्रकरणों की समीक्षा की जाकर विभाग प्रमुखों को न्यायालयीन प्रकरणों में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं करने के निर्देश दिए गए। जिला खनिज प्रतिष्ठान मद कार्यालय से जिले के विभिन्न विभागों से किये गए पत्राचार के संबंध में अद्यतन जानकारी ली जाकर तहसीलदार विजयराघवगढ़ एवं जनपद पंचायत बड़वारा कटनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कार्यपान यंत्री लोकनिर्माण विभाग एवं जल संसाधन विभाग को पत्रों के संबंध में आवश्यक जानकारी से अवगत कराने के निर्देश कलेक्टर प्रसाद ने दिए। कौशल विकास संचालनालय मध्यप्रदेश के अंतर्गत जिले मे निर्माण एजेंसी पीआईयू पीडब्ल्यूडी द्वारा विकासखंड रीठी, विजयराघवगढ़ एवं बहोरीबंद में निर्मित हो रहे आईटी आई भवनों की समय सीमा की जानकारी ली जाकर रीठी एवं विजयराघवगढ़ का कार्य आगामी एक माह में पूण कराने के निर्देश कलेक्टर प्रसाद ने दिए। वहीं बाहोरीबंद के निर्माण कार्य में विलंब होनें पर ठेकेदार को नोटिस जारी करने के निर्देश कार्यपालन यंत्री पीआईयू को दिए गए। बैठक के दौरान कलेक्टर प्रसाद ने अन्य विभागीय पत्रों एवं योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश इस दौरान विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी रही।

मुहांस का हनुमान मंदिर : यहां बूटी खाने से जुड़ जाती हैं टूटी हड्डियां

कटनी। मध्यप्रदेश के कटनी जिले से लगभग 35 किलोमीटर दूर मुहांस गांव में स्थापित संकटमोचन मंदिर मुहांस, टूटी हड्डी को बूटी से जोड़ने के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। यहां पर मंदिर के पण्डा के हाथों से बनी बूटी खाने वर्षों से लोग पहुंचते है। लोगों का कहना है कि उससे उन्हें आराम भी मिला है। दूसरी ओर चिकित्सक भी वहां खिलाई जाने वाली बूटी को लेकर आज तक स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कह पाए हैं कि वह विज्ञान है या चमत्कार।

यह है चमत्कारी मंदिर की मान्यता : जो भी मंदिर में दर्शन करता है और बूटी खाता है, उसकी टूटी हुई हड्डियां अपने आप जुड़ जाती हैं। वैसे तो इस मंदिर में रोज ही औषधि दी जाती है, पर मंगलवार तथा शनिवार की औषधि का प्रभाव ज्यादा होता है, इसलिए इन दो दिनों में ज्यादा मरीजों की भीड़ आती है। लोगों का कहना है कि यहां रोज सैकड़ों की संख्या में मरीज आते हैं। लेकिन कोई भी निराश होकर नहीं जाता। यहां मंदिर के बाहर बनी दुकानों पर हड्डियों के दर्द आदि को ठीक करने के लिए तेल भी बिकते है। यह हनुमान जी का मंदिर हड्डी जोड़ने वाले हनुमान जी के नाम से भी जाना जाता है।

राम - नाम का जाप करने की सलाह : यहां मंदिर परिसर में प्रवेश करने ही पीड़ित व्यक्ति को आंख बंद करके राम - नाम का जाप करने की सलाह देते हैं। राम नाम के जाप के बीच ही मंदिर के पंडा सरमन पटेल लोगों को बूटी खिलाते हैं और उसके बाद कुछ परहेज के साथ घर मे भी राम नाम जप को कहा जाता है। मौके पर ही लोगों से आराम हुआ कि नहीं इस बात की जानकारी ली जाती है और अधिकांश लोग आराम होने की बात कहते हैं।

हनुमानजी के चबूतरे में बैठकर लोगों को देते थे बूटी : कहा जाता है कि पंडा सरमन पटेल के पिता अधारी लाल पटेल को कई साल पहले जंगल में किसी साधू ने बूटी देकर लौगों का भला करने को कहा था। उन्होंने उसका उपयोग पहले अपने घर की गाय की हड्डी जोड़ने में किया लाभ होने के बाद वे खेत में हनुमानजी के चबूतरे में बैठकर लोगों को बूटी देते थे। उनके बाद उनके बेटे सरमन बूटी दे रहे हैं। सुरेश त्रिपाठी, विभाष दुबे, सचिन दुबे, हरिशंकर यादव, पवन खटीक लव कुश विश्वकर्मा ने बताया कि धीरे - धीरे लोगों की भीड़ बढ़ती गई और आज इस स्थान पर भव्य मंदिर है, जहां हजारों लोग डॉक्टर हनुमान जी से अपना इलाज कराने पहुंचते हैं।

पीएम मोदी भारत को विकसित बनाने कर रहे कार्य

कटनी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी भारत को विकसित बनाने के साथ विश्व गुरू बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। देश को विकसित बनाने के लिए श्री नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने आप सभी मतदाता भारतीय जनता पार्टी को वोट दें। नरेन्द्र मोदी को ऐतिहासिक बहुमत से तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए आप सभी अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कटनी में नुक्कड़ सभा और सिंधी समाज सहित विभिन्न समाज एवं नवमतदाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। प्रदेश अध्यक्ष ने समाज की बैठकों को संबोधित करने के पश्चात जनसंपर्क भी किया। मोदी जी को तीसरी बार ऐतिहासिक बहुमत से प्रधानमंत्री बनाने के लिए हर बूथ पर 370 नए मतदाताओ को पार्टी से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। भाजपा प्रदेश की सभी 29 लोकसभा क्षेत्रों के साथ देश में 400 पार के लक्ष्य को प्राप्त करेगी।

यह रहे उपस्थित : इस दौरान इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, पार्टी के प्रदेश मंत्री आशीष दुबे, पूर्व मंत्री व विधायक संजय पाठक, विधायक अभिलाष पाण्डे, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार, जिलाध्यक्ष दीपक टंडन, पीताबंर टोपनानी, श्रीमती अल्का जैन, रामरतन पायल, मृदुल मिश्रा सहित जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पथखई घाट पर बारातियों से भरी बस पलटी

शहडोल। बारातियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर पथखई घाट के पास पलट गई। इस हादसे में बस में सवार दर्जन भर से अधिक बारातियों के घायल होने की जानकारी मिल रही है। प्रारंभिक जानकारी में पता चला हैं कि बस क्रमांक एमपी 51 पी 1041 से बारात पाली विकास खंड के ग्राम मछेही से गोपालपुर आई थी। जहां से विदाई के बाद सोमवार को बारात लौटते समय यह हादसा हो गया। इसमें दर्जन भर से अधिक बाराती घायल हो गए। घटना की जानकारी लगने के बाद सिंहपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। जिसमें गंभीर रूप से घायल हुए बारातियों को जिला अस्पताल व सामान्य घायलों को सिंहपुर अस्पताल ले जाया जा रहा है। घटना की जानकारी लगता ही यातायात डीएसपी मुकेश दीक्षित की घटना स्थल पहुंचे हैं और सभी घायलों को अस्पताल लाया गया है, जिसमें से तीन लोगों को गंभीर चोट आई हैं।

डंपर और कार में भिड़ंत, 5 लोग घायल, 2 की हालत नाजुक

नागपुर रेफर, नगझार बाइपास के पास हुआ हादसा

सिवनी। जिले के नगझार बाइपास के समीप दोपहर के समय एक सड़क हादसा हो गया। जहां डंपर और कार में भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार सवार 6 लोग गंभीर घायल हो गए। जानकारी के अनुसार जबलपुर में आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम में शूटिंग कार्य के लिए नरसिंहपुर क्षेत्र के लोग फोटोग्राफरों को कार में लेकर जबलपुर जा रहे थे। जो आज दोपहर एक डंपर से टकरा गए। जिसके कारण कार में सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। टक्कर इतनी भीषण है कि कार बुरी तरह दुर्घटनाग्रस्त हो गई और कार में बैठे दो लोग बुरी तरह वहीं फंस गए हैं। जिन्हें बमुश्किल निकाला गया है। बताया जा रहा है की नागपुर के इतवारी क्षेत्र के रहने वाले उदय पंचलवार, अभिषेक, तनमय, पुनाल, सहित 5 लोग कार में सवार होकर जबलपुर में आयोजित शादी समारोह में होने वाली शूटिंग के लिए कैमरा सहित अन्य सामान के साथ नागपुर निकले थे। नागझर बाइपास के पास हादसे का शिकार हो गए। दो युवकों की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना की जानकारी प्रत्यक्ष दर्शियों ने पुलिस और 108 वाहन में दी। जहां घायलों को एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल लाया गया और स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें नागपुर रेफर कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस घटनाक्रम की जांच कर रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

सागर में घर से बाइक लेकर निकला था युवक

सागर। सागर के मकरोनिया थाना क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। रेलवे ट्रैक पर शव पड़ा देख लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया। शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस के अनुसार मकरोनिया क्षेत्र में स्थित 29 नंबर रेलवे फाटक के पास रेलवे ट्रैक पर युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया। घटनास्थल के पास बाइक क्रमांक एमपी 15 एमएल 6191 खड़ी मिली। बाइक के आधार पर मृतक की पहचान जवाहरगंज वार्ड निवासी गोपाल कृष्ण साहू के रूप में हुई। परिवार वालों ने पुलिस को बताया कि मृतक गोपाल कृष्ण साहू रविवार को बाइक लेकर घर से निकला था। वह 29 नंबर रेलवे फाटक के पास कैसे पहुंच गए, इसकी जानकारी नहीं है। मामले में पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

किराना दुकान से 286.95 लीटर अवैध शराब जब्त

केवलारी पुलिस ने की कार्रवाई, संचालिका पर केस दर्ज

सिवनी। जिले के केवलारी थाना अंतर्गत रविवार रात्रि के समय शराब के अवैध ठिकाने पर पुलिस ने दबिश देकर शराब जब्त की है। साथ ही आबकारी एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया है। जानकारी के अनुसार केवलारी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि क्षेत्र में शराब का अवैध कार्य किया जा रहा है। जहां सूचना पर ग्राम डोब में अवैध शराब भंडारण करने व बेचने की खबर पर दबिश देकर किराना दुकान संचालक महिला सुनीता पति परसराम बघेल उम्र 50 वर्ष के कब्जे में अवैध अंग्रेजी व देशी शराब जब्त की है। किराना दुकान की तलाशी में कई काटूर्नों में प्लेन व अंग्रेजी शराब के बोतल भरे हुए मिले। केवलारी पुलिस ने बताया कि बरामद की गई शराब के संबंध में सुनीता बघेल से वैध लाइसेंस पूछने पर नहीं होना बताया गया। जिसके बाद महिला के विरूद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया है। मौके पर 286.95 लीटर शराब जब्त की गई है। जिसकी अनुमानित कीमत 120980 रुपए बताई जा रही है।

बस में मिली युवक की लाश

बैढन में बस स्टैंड पर खड़ी थी बस, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

सिंगरौली। बैढन में एक युवक की लाश बस में संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने पर बस स्टाप ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी, वहीं दूसरी ओर परिजनों ने इस पूरे घटना को हत्या की आशंका भी बताई है फिलहाल पुलिस इस मौत का कारण तलाश में जुटी हुई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक युवक नाम वीरेश सिंह पिता अजय सिंह उम्र 38 वर्ष रंपा गांव का निवासी था, जो एक सिक्योरिटी एजेंसी में बतौर सिक्योरिटी गार्ड नौकरी करता था। शनिवार शाम को बस अपने स्टाप पर बिलौंजी में खड़ी थी। रविवार की सुबह ड्राइवर और बस स्टाप पहुंचे तो देखा कि बस में संदिग्ध परिस्थितियों में सिक्योरिटी गार्ड का शव पड़ा हुआ है। यह देखकर तत्काल बस स्टाफ ने कोतवाली पुलिस को इसकी सूचना दी इसके बाद पुलिस ने परिजनों को बुलाकर शव का शिनाख्त किया और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वहीं दूसरी ओर परिजन इस पूरे घटनाक्रम को हत्या की आशंका भी बता रहे हैं फिलहाल पुलिस इस रहस्यमई मौत के हर एंगल से जांच में जुटी हुई है।

विश्वगुरु तथागत बुध्द की चैत्त पूर्णिमा के अवसर पर

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

विश्वगुरु तथागत गौतम बुध्द की चैत्र पूर्णिमा के अवसर पर :- चैत्र पूर्णिमा की पहली घटनाः-इसके बाद सुजाता द्वारा दी गई खीर गौतम बुद्ध ने स्वीकार कर ली और कल 49 गासो में उसे ग्रहण किया। इससे प्रसन्न होकर सुजाता ने आदर के साथ सिद्धार्थ को नमन किया और कहा- है पूज्य श्रमण- "दुख मुक्ति का मार्ग का साक्षात्कार आप को होने के बाद आप मुझे से आ कर मिलना ऐसा वचन कृपा कर आप मुझे दीजिए।" वह पावन दिन था चैत्र पूर्णिमा इस.पू.528का। विश्वगुरु तथागत गौतम बुध्द व्दारा यह प्रथम धम्मदान बौद्ध परम्परा में प्रथम धम्म चक्र प्रवर्तन दिन चैत्र पूर्णिमा को उन पांच प्रथम दीक्षित भिक्षुओं के नाम कौडिण्या,अश्वजीत, काश्यप,महानाम,भद्रिक थे।इन सभी भिक्षुओं को पच वर्गीय भिक्षु कहा जाता है। विश्वगुरु तथागत गौतम बुध्द ने सुजाता को दिये गये वचन की पूर्ति के लिये विश्वगुरु तथागत गौतम बुध्द इस गांव को कैसे भूल सकते हैं।वे वहां गये और सुजाता को धम्म की दीक्षा दी। दुसरी घटनाः- राजगृह नगर छोड़ कर सिद्धार्थ भृगु ऋषि के आश्रम गये थे। वहां उनके शिष्य स्वर्ग प्राप्ति की लालसा में पानी में डूब कर तपस्या करते थे। उनका विश्वास था कि इस प्रकार शरीर को कष्ट देने पर ही उन्हें स्वर्ग की प्राप्ति होगी। सिद्धार्थ भृगु मुनि के आश्रम गये थे वह दिन भी चैत्र पूर्णिमा का ही दिन था संबोधि के पूर्व सिद्धार्थ ने भी पानी में रह कर तपस्या की थी। उस समय वहां लोगों को में यह विश्वास था कि शरीर को जितनी अधिक यातना दी जाय उतना ही पुण्य लाभ होगा। तिसरी घटनाः- उद्दक आश्रम में रामपुत्र ऋषि के यहां शाति की खोज में सिध्दार्थ ने एक चैत्र पूर्णिमा को उद्दक आश्रम में रामपुत्र नामक ऋषि के यहां ध्यान मार्ग का अभ्यास किया था। ध्यान साधना की आठवी सिढ़ी तक पहुंचाने की स्थिती तक पहुंचाने की उपलब्धि हासिल कर ली थी अकियन्यायतन नामकी समाधि की सातवें स्तर तक पहुंच कर पूर्णरूप से आत्मसात किया था। चौथी घटनाः- कपिल मुनि के आश्रम में सांख्य दर्शन का अभ्यास। प्राचीन तत्वज्ञानी लोगों के बीच सबसे प्रमुख थे। उनका तत्व ज्ञान सांख्य दर्शन के नाम से जाना जाता था, उनका प्रथम सिद्धांत ऐसा था कि सत्य के लिये प्रणाम आवश्यक है। सिद्धार्थ ने कपिल मुनि के साख्य मत का अध्ययन कर के उनमें से केवल तीन बातें ग्रहण की थीः-(1) सत्य का प्रमाण पर आधारित होना चाहिये । उसका आधार बुद्धिवाद होना ही चाहिये। (2) ईश्वर के अस्तित्व में तर्क पर आधारित ऐसा कोई भी कारण विद्यमान नहीं है। (3) जगत में दुख है। तब साख्य मार्ग और समाधि मार्ग की शिक्षा कपिलमुनि के पास से ले कर सिध्दार्थ बुद्ध गया रवाना हुए। वहां उनकी मुलाकात राजर्षि नेगरी से हुई। वहां उनके आश्रम में रह कर उन्हें इस चैत्र पूर्णिमा की तपस्चर्या करनी पड़ी थी। पाचवी घटनाः- यह थी कि शुद्र जाति के एक व्यक्ति ने जो भेड़-बकरियां पालन कर के अपनी आजीविका चलाता था चैत्र माह की पूर्णिमा के दिन विश्वगुरु तथागत गौतम बुध्द को बहुत या धन दान में दिया। उपासक उपक्षिकाओं ने भी भिक्षु संघ की तरह कड़ाई से संपूर्ण अष्टशीलों का पालन करना चाहिये। भिक्षु और भिक्षुणी को श्रावक और श्राविका कह कर पहचाना जाता है और गृहस्थो को उपासक और उपासिका संबोधन करने की प्रथा है। अतः गृहस्थ व्यक्ति को भन्ते लोगों की तरह कड़क रूप से पालन करना अनिवार्य नहीं है। वे अपने घर, पत्नी, बच्चे, व्यवसाय ,नौकरी ये सब देखभाल करते हुए धम्म का पालन करना चाहिये ।अन्य समय में उपभइक्षउ(उपश्रावक-उपासन) और उपभिक्षुने (उपश्राविका उपासिका) आदि और उपभिक्षुनी (उपश्राविका , उपासिका)का इन्होंने त्रिशरण पंचशील ग्रहण कर के धम्म का पालन करना चाहिये। नमो बुध्दाय, जय महान सम्राट अशोक, जय ज्योतिबा फुले, जय सावित्री फुले, जयभीम, जय रमा, जय मध्यप्रदेश, जय भारत, जयसविधान, जयमूलनिवासी

डॉ.बाबा साहेब आम्बेडकर की 133वी जयती मनाई गई।

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

विश्वदीप बुद्ध विहार रामपुर छापर जबलपुर में विश्वरत्न डॉक्टर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 133 वी जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई और कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माननीय मनीषा सतपाल ने तथागत गौतम बुध्द एवं विश्वरत्न डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर मोमबत्ती एवं अगरबत्ती प्रज्वलित की और पुष्प अर्पित किऐ। और कार्यक्रम के अध्यक्ष माननीय कृपा खरे जी ने डॉक्टर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। और कार्यक्रम सचिव मान. वन्दना गायकवाड जी ने बोधिसत्व डॉक्टर बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। और मान.अशोक रामटेके जी ने बोधिसत्व डॉक्टर बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। समिति के अध्यक्ष सदीप गायकवाड जी ने भी विश्वरत्न डॉक्टर बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। और उपासक एवं उपासिकाओ ने तथागत गौतम बुध्द एवं विश्वरत्न डॉ बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर की वन्दना की। और बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम किया। और नन्हें मुन्ने बच्चों डॉ. आंबेडकर बनाकर अपना जलवा दिखाया। और बालिकाऐं भी रमाबाई अंबेडकर बनी और सावित्री फुले फुले बनी और बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और बच्चों ने डॉक्टर अंबेडकर पर गीत गया और नन्हे मुन्ने बच्चों को पुरस्कार भी वितरण किया गया और उपासक एवं उपासिकाओं को खीर का प्रसाद वितरण किया गया। धम्म सेवा मडल - सुरेन्द्र इगले,नीलेश सोमकुवर, सिद्धार्थ खरे, आनंद कालपाडे, धर्मेन्द्र ताबे, अनिता काम्बले,निधी तभाने, मीना खापर्डे, सुजाता इंगले, समस्त बौद्ध विहार के सदस्यगण।

मूंग की उन्नत किस्में और विशेषताएं

के. 851

यह किस्म संकरण (4453-23 टा. 44) द्वारा चन्द्र शेखर आजाद कृषि विश्व विद्यालय कानपुर (उ.प्र.) के दलहन वैज्ञानिकों ने विकसित की है। इसमें लगभग 85 प्रतिशत फलियाँ एक समय में पकती हैं और बाकी फलियों को पकने में 5-7 दिन लगते हैं। इस किस्म में फलियों के चटकने की समस्या भी अपेक्षाकृत बहुत कम है। फसल की एक बार में कटाई की जा सकती है। फसल 60 से 65 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इस किस्म का पौधा मध्यम आकार का (लम्बाई 60-80 से.मी.) गहरे हरे रंग का सीधा खड़े रहने वाला होता है। इसकी फलियां लम्बी और 10 से 11 दाने वाली होती हैं। दाने आकर्षक और चमकदार हरे होते हैं। एक हजार दानों का औसत वजन लगभग 42-45 ग्राम होता है। इसके दानों में लगभग 24.5 प्रतिशत प्रोटीन होती है। इस किस्म से दानों की औसत उपज 10 से 12 क्विंटल प्रति हैक्टर है। इस किस्म में पीला मोजेक रोग का प्रकोप होता है

टाइप- 44

इसके पौधे सीधे उगने वाले और 60 से 70 से.मी. ऊंचे होते हैं। फसल 60 से 65 दिन में पककर तैयार हो जाती है। फलियाँ मध्यम लम्बी और 11-12 बीजवाली होती हैं। दाने औसत आकार के मटमैले हरे रंग के होते हैं। इसके पौधे सीधे बढ़ते हैं इसको कपास और गन्ने के साथ मिलवां फसल के रूप में उगाया जा सकता है। यह भी पीले मोजेक रोग तथा जीवण्विक अंगमारी रोगों के प्रति ग्रहणशील है। औसत उपज 8 से 10 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है।

पूसा वैसाखी

यह किस्म टाइप 44 से चयन करके निकाली गई है। इसका पौधा बौना झाड़ीनुमा होता है। पत्तियाँ हरी होती हैं तथा तने पर हल्के गुलाबी धब्बे पाये जाते हैं. फूल भूरा रंग लिए हुए क्रीमी रंग के तथा बीज हरे रंग के व मध्यम आकार के होते हैं. पौधे पर प्रकाश की अवधि का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। फसल 60 से 70 दिन में तैयार हो जाती है। फलियाँ मध्यम लंबाई की और 10-11 दाने वाली होती हैं। इसको भी कपास और गन्ना के साथ मिलवां फसल के रूप में उगाया जा सकता है। इसकी पैदावार क्षमता 8 से 10 क्विं. प्रति हैक्टे. है। इस किस्म को सभी मौसमों में उगाया जा सकता है।

पी.एस.7

इस किस्म के पौधे छोटे (65-70 से.मी. ऊंचे) और गठे हुए होते हैं। पत्तियाँ चौड़ी और हल्के लाल रंग की होती हैं। यह पकने में 60 से 65 दिन लेती हैं। फलियां लम्बी 10-11 दाने वाली होती हैं एक साथ पकती हैं। फलियाँ पकने के बाद चटकती नहीं हैं, फसल को एक बार में काटा जा सकता है। दाने बड़े और मटमैले रंग के हरे होते हैं। इसकी उत्पादन क्षमता 8-10 क्विं. प्रति हैक्टे. होती है।

पी.एस. 1-

यह किस्म सीधी बढ़ने वाली भा. कृ. अनुसं.प. नई दिल्ली से विकसित की गई है. यह 60-70 दिन में पककर तैयार हो जाती है। यह किस्म बसन्त तथा ग्रीष्मकालीन बुआई के लिये सम्पूर्ण भारत के लिये उपयुक्त है। पौधे की लं. 45 से.मी. तक होती है। पत्तियाँ पीलापन लिए हरे रंग की होती हैं। फूल पीले तथा बीज चमकदार हरे रंग के होते हैं। फलियाँ पतली 12 से 13 दाने वाली होती हैं। इसकी उत्पादन क्षमता 12 से 15 क्विं. प्रति हेक्टे. तक है।

पंत मूंग-1

पौधा सीधा बढ़ने वाला एवं गहरे हरे रंग का होता है। बीज मध्यम आकार के हरे रंग के होते हैं। यह किस्म पीला मोजेक विषाणु एवं सर्कोस्पोरा एवं चित्ती रोगों के लिए काफी हद तक प्रतिरोधी है। पकने के लिए 65-70 दिन लेती है। उपज -10-15क्विं./है.

पंत मूंग-2

इसका पौधा मध्यम ऊंचाई का होता है। बीज चमकीले हरे रंग एवं मध्यम आकार के होते हैं। यह किस्म पीला मोजैक विषाणु रोग के लिये मध्यम प्रतिरोधी है। जायद में यह किस्म 60-65 दिन में पक जाती है। एक फली में औसतन 10 से 11 दाने होते हैं। औसत पैदावार 6 से 8 क्विंटल प्रति हैक्टर है।

जी 65

पंजाब से विकसित 65 से 70 दिन में पककर तैयार हो जाती है। उत्पादन क्षमता 8 से 10 क्विंटल प्रति हैक्टर है। इस किस्म में पीले मोजेक रोग का प्रकोप होता है। यह ग्रीष्मकालीन खेती के लिये पंजाब हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान तथा उ.प्र.में उपयुक्त पाई गई है।

जायद की पालक व चौलाई

जायद अथवा ग्रीष्म ऋतु में उगाई जाने वाली हरी पत्तेदार सब्जियों में पालक व चौलाई का प्रमुख स्थान है। इन सब्जियों में लवण एवं विटामिन (ए) प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। इसके अतिरिक्त विटामिन बी काम्पलेक्स, पाचनशील कार्बोहाइड्रेट, लोहा तत्व व रेशायुक्त होने के कारण ये अत्यंत स्वास्थ्यवर्धक भी हैं। जायद में पालक व चौलाई उगाकर कृषक इससे अच्छे भाव प्राप्त कर सकते हैं.

जलवायु

बहुत अधिक तापमान होने पर इन सब्जियों को नहीं उगाया जा सकता है। पालक व चौलाई बसंत ऋतु एवं वर्षा ऋतु दोनों में उगायी जा सकती है।

भूमि

पालक व चौलाई को सभी प्रकार की भूमि में आसानी से उगाया जा सकता है किंतु बलुई दोमट मिट्टी व अच्छी खाद युक्त भूमि, काली व चिकनी मृदा की अपेक्षा अच्छी रहती है।

किस्में

पालक- जोबनेर ग्रीन, पूसा ज्योति, पंजाब ग्रीन, आलग्रीन,पूसा हरित, पूसा भारती.

चौलाई

बड़ी चौलाई, छोटी चौलाई, कोयम्बटूर-1, पूसा किरण, पूसा किटी, पूसा लाल चौलाई, अर्का सुगना, अर्का अरुणिमा

खाद व उर्वरक- हरी पत्तीदार सब्जी होने के कारण पालक व चौलाई में अच्छी वानस्पतिक वृद्धि के लिये नत्रजन की आवश्यकता अधिक रहती है। बुवाई से पूर्व 100 क्विंटल सड़ी गोबर खाद, 25 किलो नत्रजन, 40 किलो फास्फोरस तथा 40 किलो पोटाश प्रति हेक्टर के हिसाब से बुवाई पूर्व भूमि में मिलावें। प्रत्येक कटाई के बाद 25 किलो नत्रजन प्रति हेक्टर सिंचाई के बाद दें।

बुवाई

जायद की बुवाई हेतु पालक व चौलाई की बुवाई फरवरी-मार्च में कर देनी चाहिए। चौलाई की बुवाई हेतु 2 से 2.5 किलो व पालक 25 से 30 किलो प्रति हेक्टर की दर से बुवाई करें। अच्छे अंकुरण के लिये पालक के बीज को बुवाई पूर्व एक रात पानी में भिगो दें। बुवाई छिटकवां अथवा कतारों में करनी चाहिए. पालक के लिये कतार से कतार की दूरी 20 सेमी. व चौलाई में 20 से 30 सेमी. रखनी चाहिए।

सिंचाई व निराई-गुड़ाई

फसल में 8 से 10 दिन के अंतराल पर आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। 2 से 3 बार हाथ से निराई -गुड़ाई करनी चाहिए।

रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -

» मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.» मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें. » रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.

» फसल चक्र अपनायें. » उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग

जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

» रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश- परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

फसल चक्र अपनायें

फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें

उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.

» उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें. द्य बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें. द्य किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.द्य उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें. द्य फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें. द्य सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें. द्य रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें. द्य समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

इस दिन से शुरू होगा विजय देवरकोंडा की वीडी 12 की शूटिंग का अगला शेड्यूल

साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म द फैमिली स्टार बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, जिसके बाद अब वे एक हिट की तलाश में भटक रहे हैं। हालांकि, एक बार फिर वे अपनी अगली फिल्म के साथ कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार हैं। विजय निर्देशक गौतम तिन्नानुरी के साथ अपनी अगली स्पाई थ्रिलर फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसका अस्थाई रूप से शीर्षक वीडी 12 है। अब इस फिल्म के बारे में नई जानकारी सामने आई है। फिल्म की शूटिंग हाल ही में हैदराबाद में शुरू की गई थी और इस चरण में विजय देवरकोंडा पर कुछ महत्वपूर्ण दृश्य फिल्माए गए थे। इस फिल्म को लेकर नई जानकारी यह कि फिल्म की टीम अगले शेड्यूल के लिए विजाग के लिए रवाना होगी, जो 28 अप्रैल, 2024 को शुरू होगी। इसके बारे में जल्द ही आधिकारिक घोषणा होने की संभावना है।

फिल्म से विजय की पहली झलक

इससे पहले नौ मई, 2023 को विजय देवरकोंडा के जन्मदिन पर फिल्म से उनका पहला लुक जारी किया गया था, जिसने फैंस के बीच उत्साह पैदा कर दिया था। वीडी 12 के जारी किए गए सेपिया-टिंटेड रेट्रो पोस्टर में कागज के कई टुकड़े थे, जिन्हें एक साथ लाने पर वे विजय के लुक की झलक दिखाते थे। इस पोस्टर में अभिनेता के लुक ने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा। वहीं, इस पर एक लाइन भी लिखी हुई थी। पोस्टर पर लिखा था, मुझे नहीं पता कि मैं कहां का हूं, आपको यह बताने के लिए कि मैंने किसके साथ विश्वासघात किया है।

भारी बजट पर बन रही इस स्पाई थ्रिलर के लिए सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यूर फोर सिनेमाज ने हाथ मिलाया है। मुख्य महिला भूमिका के लिए भाग्यश्री बोरसे और ममिता बैजू के नाम पर चर्चा चल रही है। श्रीकारा स्टूडियोज फिल्म प्रस्तुत कर रहा है, जिसमें अनिरुद्ध रविचंदर संगीत रचना संभाल रहे हैं। विजय देवरकोंडा की आखिरी फिल्म द फैमिली स्टार बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई। हालांकि, वीडी12 के साथ उनकी दमदार वापसी की उम्मीद जताई जा रही है।

कम उम्र के हीरो के साथ रोमांस करना चाहती हैं मानुषी छिल्लर

मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद मानुषी छिल्लर धीरे-धीरे बॉलीवुड में अपने पैर जमा रही हैं। उन्होंने फिल्म सम्राट पृथ्वीराज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। मानुषी इन दिनों अपनी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को लेकर चर्चा में चल रही हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री ने अपने से बड़े अक्षय कुमार के साथ रोमांस फरमाया है। हालांकि, इसके लिए अभिनेत्री को ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा है। अब हाल ही में, मानुषी ने इस पर चुप्पी तोड़ी है।

बड़े मियां छोटे मियां में मानुषी अभिनेता अक्षय कुमार के साथ दिखाई दी हैं। एक तरफ जहां सोशल मीडिया उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री की सराहना की गई है। वहीं, दूसरी तरफ उनके बीच उम्र के महत्वपूर्ण अंतर ने इंटरनेट पर बहस छेड़ दी। हाल ही में, मानुषी ने इस मामले पर अपने विचार साझा किए। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

बातचीत के दौरान जब मानुषी छिल्लर और अक्षय कुमार के बीच उम्र के अंतर का विषय उठाया गया, तो अभिनेत्री ने एक सुपरस्टार के रूप में उनकी प्रशंसा की और उनकी उम्र की परवाह किए बिना उनके साथ काम करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने बताया कि अक्षय के साथ काम करके उनका समय बहुत अच्छा गुजरा। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वह कास्टिंग संबंधी निर्णय नहीं लेती हैं और कास्टिंग निर्देशकों द्वारा चुने गए विकल्पों का सम्मान करती हैं। वह उन्हें दी गई भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित करती हैं और एक सुपरस्टार के साथ काम करने के अवसर को महत्व देती हैं, क्योंकि इससे प्रोजेक्ट पर महत्व बना रहता है। मानुषी ने कहा, सुपरस्टार के साथ काम करना अच्छा है। आपको अच्छा खासा स्क्रीन स्पेस मिलता है। अगर मैं अपनी पहली फिल्म के बारे में बात करूं तो उम्र का अंतर था, लेकिन हमने भूमिकाएं अच्छे से निभाई। हमने मार्केटिंग के लिए गाने बनाए, इसलिए उन्हें गाने के लिए दो लोगों को एक साथ रखना पड़ा, लेकिन यह ठीक है। मैं इसे कुछ ऐसा नहीं मानती, जो नहीं होना चाहिए था।

मानुषी ने यह भी उम्मीद जताई कि उन्हें भविष्य में कम उम्र के हीरो के साथ रोमांस करने का मौका मिलेगा। सम्राट पृथ्वीराज के साथ अपनी शुरुआत करने के बाद, अभिनेत्री ने विक्की कौशल के साथ द ग्रेट इंडियन फैमिली में अभिनय किया।

ट्विंकल खन्ना ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

अभिनेत्री से राइटर बनीं 50 साल की ट्विंकल खन्ना अक्सर अपनी फोटोज और वीडियोज को सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। ट्विंकल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें अभिनेत्री अपने होठों पर लाल रंग की लिपस्टिक लगाती नजर आ रही हैं। उन्होंने यह वीडियो उन लोगों के लिए शेयर किया जिन्हें 50 साल से अधिक उम्र की महिलाओं के ऊपर गहरे लाल रंग की लिपस्टिक लगाने से परहेज हैं। ट्विंकल खन्ना के इस वीडियो में वह कुछ सैकेंड के लिए अपने होठों पर लाल रंग लगाते हुए नजर आ रही है। फिर उन्होंने कैमरे की तरफ कुछ इशारा किया। जब लोग कहते हैं कि 50 से अधिक उम्र की महिलाओं को ऐसा करना चाहिए, लाल लिपस्टिक मत लगाओ। अपने कैप्शन में ट्विंकल ने लिखा, क्या आपको इस लिपस्टिक पर उम्र सीमा लिखी दिख रही है। इसके साथ ही अभिनेत्री ने सवाल पूछा कि, उन्हें क्या हाल फिलहाल में मेकअप को लेकर कोई सलाह मिली है? ट्विंकल खन्ना के इस इंस्टाग्राम पोस्ट के बाद फैंस लगातार उन्हें अपनी राय दे रहे हैं। खासतौर पर महिला फैंस के कई रिप्लाई ट्विंकल खन्ना को लगातार आ रहे हैं। ट्विंकल के इंस्टाग्राम रील्स पर एक कमेंट में लिखा है, मेरा अभी 70वां जन्मदिन है और मैं नहीं रुक रही हूं। आपको या किसी और को क्यों ऐसा करना चाहिए। आपको लिपस्टिक लगाना पसंद है, कृपया ऐसा करना जारी रखें। आपको जो करना पसंद है वही करें। एक और यूजर ने लिखा मुझे लाल लिपस्टिक पसंद है। मैं बोल्ड प्रिंट पहनती हूं। किसी ने मुझे यह बताने की हिम्मत नहीं की कि मुझे क्या नहीं पहनना चाहिए। ट्विंकल खन्ना ने बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार से शादी के बाद अपना फिल्मी करियर छोड़ दिया था। अब वह एक राइटर बन गई हैं। 2022 में ट्विंकल ने लंदन यूनिवर्सिटी से फिक्शन राइटिंग में मास्टर्स किया है।

'पंड्या स्टोर' छोड़ने की वजह पर खुलकर बोलीं मेघा शर्मा

छोटे पर्दे की चर्चित अभिनेत्री मेघा शर्मा अब धारावाहिक 'पंड्या स्टोर' का हिस्सा नहीं रहीं। चर्चा है कि उन्हें शो की बदलती कहानी के चलते बाहर कर दिया गया है। हालांकि, मेघा का अब ये कहना है कि ये शो उन्होंने खुद छोड़ दिया है। मेघा का आरोप है कि जैसे जैसे कहानी आगे बढ़ रही थी, उनके किरदार को शो में बिल्कुल हाशिये पर पहुंचा दिया गया था। धारावाहिक 'पंड्या स्टोर' छोड़ने के अपने फैसले की वजह बताते हुए मेघा ने कहा, मैं लगभग 9-10 महीनों तक शो का हिस्सा रही और पहले चार महीनों तक मैंने अपनी भूमिका का भरपूर आनंद लिया। लेकिन फिर, चीजें दोहराई जाने लगीं और मेरा चरित्र विकसित नहीं हो रहा था। मुझे ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं मिल रहा था, इसलिए मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं एक अंतिम पड़ाव पर पहुंच रही हूं। मेघा के मुताबिक, जो कुछ हो रहा था, मुझे इस पर रोक लगाने की जरूरत महसूस हुई। इस प्रकार, मैंने शो छोड़ दिया क्योंकि मेरा किरदार विकसित नहीं हो रहा था और मेरे पास मुश्किल से ही कोई स्क्रीन टाइम या लाइन्स थीं। मैंने इसके बारे में बहुत सोचा, लेकिन जब मुझे एहसास हुआ कि मुझे चमकने का ज्यादा मौका नहीं मिल रहा है, तो मुझे छोड़ने का फैसला करना पड़ा। मेघा कहती हैं, चलते हुए शो को छोड़ना एक कठिन निर्णय था क्योंकि मुझे टीम के साथ काम करने में बहुत मजा आया, वे बहुत अच्छे थे। लेकिन एक अभिनेत्री के तौर पर मुझे अभिनय के मौके चाहिए। जब उन अवसरों की कमी थी, तो मुझे एहसास हुआ कि मुझे आगे बढ़ने के लिए एक कदम आगे बढ़ाने की जरूरत है। इसलिए, मैंने अन्य अवसरों का लाभ उठाने के लिए छोड़ने का निर्णय लिया। अब, मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि भविष्य में मेरे लिए क्या होगा क्योंकि मैं अन्य परियोजनाओं पर विचार कर रही हूं।

भुवन बाम की वेब सीरीज 'ताजा खबर 2' की शूटिंग हुई पूरी

मशहूर यूट्यूबर और अभिनेता भुवन बाम की वेब सीरीज 'ताजा खबर सीजन 2' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। शूटिंग पूरी होने पर अभिनेता ने सभी का आभार जताया है। बता दें कि भुवन बम की वेब सीरीज 'ताजा खबर' को हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया गया था। इस सीरीज को फैंस और दर्शकों का काफी प्यार भी मिला था। अब अभिनेता इसकी दूसरी श्रृंखला लेकर प्रस्तुत हैं। उम्मीद की जा रही है कि इसका दूसरा सीजन जल्द ही हॉटस्टार पर प्रसारित होगा। कंटेंट निर्माता और अभिनेता भुवन बाम ने शूटिंग पूरी होने पर कहा, 'ताजा खबर सीजन 2' की शूटिंग घर वापसी जैसी थी। सेट पर हर दिन बहुत ही शानदार रहा। हमारी टीम एक परिवार की तरह है। मुझे विश्वास नहीं हो रहा की हम शूटिंग के आखिरी दिन पर पहुंच गए हैं। श्रिया, प्रथमेश, देवेन जी और सभी सीजन 2 की शूटिंग के लिए उत्साहित थे।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे याद है जब मैंने सीजन 1 लॉन्च किया था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इसे इतना प्यार मिलेगा, खासकर मेरे किरदार 'वसंत' को। अब सीजन 2 आने के लिए तैयार है। मैं इसका इंतजार नहीं कर पा रहा हूं कि दर्शक इस पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे। मुझे उम्मीद है कि दर्शक दूसरे सीजन का आनंद लेंगे।

सीरीज की अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर ने कहा कि ताजा खबर सीजन 2 की शूटिंग बहुत मजेदार रही। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि हम शूटिंग के आखिरी दिन पर पहुंच गए हैं। यह शानदार सफर रहा। मैं मधु का किरदार निभाने और सेट के अनुभव को याद करूंगी। मैं इंतजार में हूं कि नए सीजन पर दर्शक कैसी प्रतिक्रिया देंगे। अभिनेत्री आगे कहती हैं कि इस सीजन में 'मधु' का नया अवतार देखने को मिलेगा। बता दें कि यह सीरीज 'बीबी के वाइन्स प्रोडक्शंस' के बैनर तले रोहित राज और भुवन बाम द्वारा निर्मित है। इसका निर्देशन हिमांक गौड़ ने किया है। सीरीज में भुवन बाम के अलावा श्रिया पिलगांवकर, महेश मांजरेकर, देवेन भोजानी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

एसएसएमबी 29 को लेकर खास तैयारी कर रहे हैं महेश बाबू और एसएस राजामौली

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू इन दिनों फिल्म निर्माता एसएस राजामौली के साथ अपनी अगली फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसका अस्थायी शीर्षक एसएसएमबी 29 है। महेश बाबू और एसएस राजामौली को आज शुक्रवार की सुबह हैदराबाद लौटते देखा गया। उन्हें एयरपोर्ट पर देखा गया। एक्स और इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में महेश बाबू और एसएस राजामौली एयरपोर्ट से बाहर निकलते नजर आ रहे हैं। बताया गया है कि दोनों दुबई से लौट रहे थे। फिलहाल फिल्म एसएसएमबी 29 अपने प्री-प्रोडक्शन चरण में है।

महेश बाबू, एसएस राजामौली और निर्माता केएल नारायण दुबई से लौटने पर आज सुबह राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर देखे गए। काफी समय हो गया है, जब प्रशंसकों को महेश बाबू और एसएस राजामौली को एक साथ देखने का आनंद मिला है।

महेश को काले और सफेद जैकेट और नीचे ग्रे टी-शर्ट पहने देखा गया। इसे उन्होंने जींस के साथ जोड़ा था। उन्होंने टोपी, धूप का चश्मा पहन रखा था और कंधे पर बैग ले जाते हुए नजर आए। दूसरी ओर राजामौली नीली जैकेट के साथ भूरे रंग की टी-शर्ट पहने नजर आए। दोनों ने पैपराजी से दूरी बनाए रखी। उनकी हालिया झलक से प्रशंसकों को विश्वास हो गया है कि महेश बाबू और एसएस राजामौली फिल्म के बारे में एक नई घोषणा करने पर काम कर सकते हैं। दोनों ने फिल्म की कहानी के बारे में चुप्पी साध रखी है। उन्होंने अभी तक शीर्षक का भी खुलासा नहीं किया है। हालांकि, हाल ही में एक साक्षात्कार में एसएस राजामौली ने फिल्म के बारे में बात की थी और बताया था कि उनकी कहानी तैयार है और हीरो भी तैयार है। फिल्म प्री-प्रोडक्शन में है। कास्टिंग पूरी नहीं हुई है, लेकिन जल्द ही इस पर काम हो जाएगा। इस पर तेजी से काम जारी है।

एसएसएमबी 29 के जरिए महेश बाबू और एसएस राजामौली पहली बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म को एक जंगल एडवेंचर फिल्म माना जा रहा है और अनुमान लगाया जा रहा है कि यह फिल्म बड़े पैमाने पर होगी। इसके अलावा यह भी कहा जा है कि फिल्म में पौराणिक कथाओं और भारतीय महाकाव्यों की झलक होगी, जो राजामौली का ट्रेडमार्क है। वहीं कहानी के बारे में बात करें तो खबर है कि फिल्म की पटकथा और महेश बाबू का किरदार रामायण के भगवान हनुमान से प्रेरित है। फिल्म के लेखक विजयेंद्र प्रसाद ने हाल ही में दिए साक्षात्कार में खुलासा किया था कि निर्माता अफ्रीका में एक एक्शन-एडवेंचर सेट के लिए हॉलीवुड अभिनेताओं को शामिल करेंगे।

मुम्बई-कानपुर ट्रेन में सवार तीन वर्ष की बच्ची को जीआरपी ने खोज निकाला

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

रेल मण्डल जबलपुर की सतना जीआरपी की तत्परता की वजह से एक तीन वर्षीय बच्ची जो कि मुम्बई-कानपुर सुपरफास्ट ट्रेन में चढ़ गई थी उसे ढूंढ निकाला गया। बच्ची को जीआरपी ने कब्जे में लेते हुए उसे उसके परिजनों तक सुरक्षित पहुंचा दिया है। वहीं एक अन्य मामले में सतना स्टेशन पर एक 12 वर्ष की लड़की प्लेटफार्म पर घूमती हुई पाई गई जिसके परिजनों से संपर्क कर उन्हे चौकी बुलाकर उनके सुपुर्द किया गया। सतना जीआरपी चौकी प्रभारी एसआई राजेश राज ने बताया कि ट्रेनों एवं रेलवे प्लेटफार्म पर आपरेशन मुस्कान के तहत नाबालिग बालक एवं बालिकाओं के ऊपर होने वाले अपराधों पर नियंत्रण रखने के लिए भटके हुये बच्चों को सकुशल उनके परिजनों को सुपुर्द करने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सतना स्टेशन पर एक नाबालिग बच्ची जिसकी उम्र 12 वर्ष निवासी सिंधी कैम्प के मिलने पर महिला आरक्षण प्रिया सिंह के द्वारा पूछताछ कराई गई व उसके पिता संतोष वर्मा माता केशकली वर्मा को चौकी बुलाकर परिजनों के सुपुर्द किया। इसी तरह से कटनी स्टेशन से सूचना प्राप्त हुई कि ट्रेन क्रमांक 04152 मुम्बई-कानपुर एक्सप्रेस में एक 3 वर्षीय बच्ची रेलवे स्टेशन कटनी से ट्रेन पर चढ़ गई है जिस पर तत्परता से कार्यवाही करते हुए अविलम्ब समस्त स्टाफ को लेकर ट्रेन की सर्चिंग की गई और बच्ची को ढूंढ निकाला। बच्ची को चौकी लाकर उसे बिस्किट एवं टॉफी दी गई और बच्ची के परिजन(शहडोल निवासी) को बुलाकर उनके सुपुर्द किया। गुमी हुई बच्ची को पाकर परिजनों ने थैंक्यू जीआरपी बोला।

2 वर्ष की बच्ची को छोड़कर मॉ लापता

जबलपुर रेलवे स्टेशन सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मुख्य रेलवे स्टेशन के पांच नम्बर प्लेटफार्म के कटनी छोर पर एक कलयुगी माँ ने अपनी 2 वर्ष की बेटी को छोड़कर लापता हो गई। बताया जाता है कि प्लेटफार्म पर रोती बिलखती बच्ची को एक वेंडर ने आरपीएफ की सहायता जीआरपी थाना पहुंचाया जहां बच्ची अभी जीआरपी की देखरेख में बताई जाती है।

स्ट्रांग रूम में सीसीटीव्ही कैमरों से रखी जा रही नजर

लाइव तस्वीरें प्रदर्शित करने प्रशासन ने लगाई एलईडी स्क्रीन

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रशासनिक भवन में बने स्ट्रांगरूम पर सीसीटीव्ही कैमरों से नजर रखी जा रही है। लोकसभा चुनाव के लिये मतदान में इस्तेमाल की ईव्हीएम और व्हीव्हीपेट मशीनों को सुरक्षित रखने विधानसभावार बने स्ट्रांगरूम के भीतर और बाहर कई कैमरे लगाये गये हैं। निष्पक्ष, पारदर्शी एवं स्वतंत्र निर्वाचन सुनिश्चित करने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में स्ट्रांगरूम की निगरानी के लिये चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों को अपने प्रतिनिधि नियुक्त करने की अनुमति है। निर्वाचन आयोग के इन्हीं निर्देशों के मुताबिक उम्मीदवारों द्वारा स्ट्रांगरूम की निगरानी रखने नियुक्त कार्यकताओं की सुविधा के लिये जिला प्रशासन द्वारा कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग भवन के सामने पण्डाल लगाया गया है, जहां स्ट्रांगरूम के भीतर और बाहर लगाये गये प्रत्येक सीसीटीव्ही कैमरे की लाइव तस्वीरें चौबीस घण्टे एलईडी स्क्रीन पर प्रदर्शित की जा रही हैं। लोकसभा चुनाव के लिये शुक्रवार 19 अप्रैल को हुये मतदान के बाद जबलपुर संसदीय क्षेत्र में शामिल जिले की आठों विधानसभा क्षेत्र की ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपेट मशीनों को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में बने स्ट्रांगरूम में तीन स्तरीय सुरक्षा के बीच रखा गया है। स्ट्रांगरूम की सुरक्षा की मुख्य जिम्मेदारी केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बल के जवान सम्हाल रहे हैं। इसके अलावा स्ट्रांगरूम के भीतर तथा इसके चारों ओर कई सीसीटीव्ही कैमरे लगाये गये हैं।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार दो घायल

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

विजयनगर थाना अतंर्गत व्हाईट रोज बार के पास एक कार ने एक स्कूटी में सामने से साईड में टक्कर मार दी, जिससे स्कूटी सवार दोनों युवक नीचे गिरकर घायल हो गए। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। विजयनगर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार करमेता माढ़ोताल निवासी 34 वर्षीय पंडित विवेक पांडे कलेक्शन सीजिंग का काम करता है। गत रात लगभग 8-15 बजे आशीष राजपूत के साथ जुपिटर क्रमांक एपी 20 जेड एफ 7983 में बैठकर एसबीआई चौक सर्विस गली से अहिंसा चौक तरफ जा रहा था। जैसे ही हमारी गाड़ी व्हाईट रोज बार के पहले पहुँची तभी सामने से आ रही कार क्रमांक एमपी 20 सीएम 4604 के चालक ने उसकी जुपिटर में साईड से टक्कर मार दी, जिससे दोनों स्कूटी सहित नीचे गिरकर घायल हो गए। पंडित विवेक पांडे को गदेली, पैर के घुटने में तथा आशीष को दाहिने घुटने तथा ऐड़ी में काफी चोटें आ गयी है। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 279, 337 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

भतीजे ने दोस्त के साथ मिलकर चाचा को चाकू मारा

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

रांझी थाना अतंर्गत रक्षा कालोनी बड़ा पत्थर में पुरानी रंजिश पर भतीजे ने अपने दोस्त के साथ मिलकर अपने चाचा के साथ गालीगलौज कर चाकू से मारने का प्रयास किया और खटिया की पाटी से सिर पर हमला कर घायल कर दिया। रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार रक्षा कालोनी बड़ा पत्थर निवासी 35 वर्षीय आटो ड्रायवर बृजगोपालसिंह पटेल रात लगभग 12.30 बजे पवनीत ट्रेडर्स बड़ा पत्थर में सीमेंट खाली कर सायकल से अपने घर जा रहा था, तभी उसके घर से कुछ दूर पहले उसका छोटा भतीजा आशीष पटेल एक अन्य लड़के के साथ आया और पुरानी रंजिश पर गालीगलौज करने लगा, मना करने पर आशीष ने चाकू से मारने का प्रयास किया तो वह बच गया, तभी अन्य लड़के ने खटिया की पाटी से उसके सिर पर हमला कर घायल कर दिया। वह चिल्लाया तो उसकी माँ कुसुमलता बीच बचाव करने आई तो माँ को धक्का देकर देकर गिरा दिया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 294, 323, 324, 506, 34 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

विजयनगर थाना अतंर्गत खुड़ावल नाला के बाजू में सिहोरा के पास सड़क दुर्घटना में घायल एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। विजयनगर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार हदुआ बंधा थाना सिहोरा निवासी 24 वर्षीय सतीश चौधरी को गत 3.45 बजे खुड़ावल नाला के बाजू में थाना सिहोरा के पास सड़क दुर्घटना में घायल होने से उपचार के लिए मेडीजोन अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार दौरान गत 21 अप्रैल की शाम लगभग 7.30 बजे सतीश चौधरी की मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

खेत मे नरवाई जलाने पर प्रकरण दर्ज

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

कटंगी थाना अतंर्गत ग्राम हरदुआ में खेत में नरवाइ जलाने के आदेश का उल्लंघन करने वालें एक आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बताया गया है कि आरोपी द्वारा नरवाई जलाने पर बाजू से लगे खेत में रखी नरवाई, 60 प्लास्टिक की पाईप और केबल वायर जलकर खाक हो गई। कटंगी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम हरदुआ निवासी 34 वर्षीय उपेंद्र यादव की ग्राम हरदुआ में एक जमीन है उस जमीन में गेहूं की फसल बोयी थी जिसकी कटाई हो चुकी थी जिसकी नरवाई खेत में रखी हुई थी। वहीं खेत में बोर के पास 60 प्लास्टिक के पाईप रखे थे तथा बोर में 1100 फिट की केबल वायर लगी हुई थी। दोपहर लगभग 12.30 बजे ग्राम पड़रिया ब्यौहारी का भईयालाल रजकने अपने खेत की नरवाई में आग लगाया, जिससे आग कई खेतों में पैसलते हुए उसे बोर वाले खेत में आग लग गई, खेत की नरवाई तथा खेत में रखे 60 प्लास्टिक के पाईप एवं बोर में लगी केबल वायर पूरी तरह जलकर खाक हो गई। जिससे उपेंद्र यादव को लगभग 50 हजार रुपए का नुकसान हो गया। कलेक्टर द्वारा पूर्व में पराली न जलाने हेतु आदेश पारित किया गया था इसके बावजूद बिना सुरक्षा के इंतजाम करते हुए भईयालाल रजक ने नरवाई जलाकर आदेश का उल्लंघन किया।

स्काउट एवं गाइड रेल यात्रियों को पिला रहे हैं ठंडा पेयजल

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

मंडल के विभिन्न स्टेशनों में रेल यात्रियों को शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न प्रयास किया जा रहे हैं जिसके तहत स्टेशन पर रेलवे के सहयोगी संगठनों तथा स्वयं सेवी संस्थाओ द्वारा पेय जल वितरण का कार्य किया जा रहा हैं। अपर मंडल रेल प्रबंधक तथा स्काउट एवं गाइड के मुख्य आयुक्त संजय कुमार सिंह, जिला आयुक्त सुबोध विश्वकर्मा वरि मंडल कार्मिक अधिकारी जबल, सहायक जिला आयुक्त एवम डीसीएम नितेश सोने एवं सहायक जिला आयुक्त शची पति नन्दन सहायक कार्मिक अधिकारी जबल के निर्देशन में आज से तेज गर्मी के दिनों में रेलवे स्टेशनों पर बढ़ती गर्मी के चलते यात्रियों को निशुल्क शीतल जल प्रदान करने हेतु स्काउट सदस्यो के द्वारा अभियान चलाया जा रहा। इस अभियान के अंतर्गत स्टेशन पर ठंडा पानी एकत्रित करके यात्री गाडि?ों के सामान्य श्रेणी एवं अन्य कोचों के सामने स्काउट गाइड के सदस्यों द्वारा यात्रियों को शुद्ध पेयजल उनके पात्रों में भरकर दिया जाता है। जिससे कि यात्री अपने सफर के दौरान ठंडे पानी का उपयोग कर सके एवं गर्मी से राहत पा सके।

जबलपुर सहित 17 जिलों में बारिश-ओले गिरने के आसार, 25 अप्रेल से भीषण गर्मी पड़ने की संभावना

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

एमपी में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से आंधी व बारिश का दौर शुरू हो गया है. आज रायसेन, भोपाल सहित कई जिलों में बारिश हुई है. वहीं जबलपुर, छिंदवाड़ा सहित 17 जिलों में बारिश होने के आसार है. आज जबलपुर में सुबह से धूप-छांव हो रही है. मौसम विशेषज्ञों के अनुसार प्रदेश में अगले दो दिन गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होगी, इसके बाद मौसम साफ हो जाएगा और 25 अप्रेल से तेज गर्मी पड ?ा शुरू हो जाएगी. जिन शहरों में तापमान 38 से 40 डिग्री है, वहां पर तापमान 42 डिग्री से ज्यादा होगा. वहीं अगले 24 घंटे में जबलपुर सहित 17 जिलों में 24 घंटे में बारिश की संभावना है. आज सुबह से भोपाल में तेज बारिश हुई है, जिसके चलते चार इमली, न्यू मार्केट, एमपी नगर में बारिश से सड़के तरबतर हो गई. यहां पर सुबह से ही बादल छाए रहे, अगले तीन दिन तक ऐसा ही मौसम होने की संभावना जताई जा रही है. गौरतलब है कि जबलपुर में रविवार को हवा की रफ्तार जबलपुर में सबसे ज्यादा रही, यहां पर 52 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से हवाएं चली. हवाओं के चलते सड़कों से गुजर रहे लोग अपनी अपनी जगह पर रुके रहे, इस बीच बूंदाबांदी भी होती रही, जो देर रात तक चलती रही. इसके अलावा छिंदवाड़ा में 43 किमी, सीहोर में 41 किमी, बड़वानी में 38 किमी, सागर में 37 किमी, गुना में 36 किमी, खंडवा, कटनी-मंडला में 34 किमी, सिवनी में 32 किमी व बालाघाट में 30 किमी प्रतिघंटे की गति से हवाएं चली हैं. जबलपुर में आज सुबह से मौसम बदला हुआ है, कभी धूप तो कभी बादल छा रहे है, जिसके बारिश होने के आसार प्रबल है।

विज्ञापन एवं एजेंसी के लिए संपर्क करें
सिटी ऑफिस- त्रिपुरी भवन, जेडीए योजना क्रं. 18, ब्लाक नं. 9 मेजेनाइन फ्लोर, सिविक सेंटर, जबलपुर।
फोन : 0761-4085321

श्री शुभम् हॉस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेंटर
मल्टी स्पेशियेलिटी हॉस्पिटल
24 घंटे
आकस्मिक चिकित्सा
सभी विभागों में भर्ती
एम्बुलेंस तथा दवाईयां
पैथोलॉजी तथा एक्सरे
•पॉईजनिंग •बर्न यूनिट •हॉर्ट अटैक •एक्सीडेंट एवं ट्रॉमा यूनिट
मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार मण्डल के हितग्राहियों हेतु निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध
श्री शुभम् हॉस्पिटल
मदन महल चौक, दशमेश द्वार के पास, नागपुर रोड, जबलपुर
फोन : 0761-4051253, 9329486447

सन शाईन प्रिंट ग्राफिक्स
LED LETTER
2D / 3D BOARD
LASER CUTTING
फ्लैक्स प्रिंटिंग
काम करने वाले लड़का / लड़की की अवश्यकता है
MOB. 9893500501, 8602000501
1. हीरा फर्नीचर के बाजू से रद्दी चौकी, जबलपुर
2. अधारताल थाने के सामने, अधारताल, जबलपुर

प्रदेश का अग्रणी संस्थान
SINCE 1996
ACST
Tally
PYTHON
JAVA
C, C++
CPCT
नए बैच प्रारम्भ
40% छूट
चौपाटी के पास, सिविक सेंटर, जबलपुर मो: 4007077, 9993030707
Samacharsewa ad

JICS
माखनलाल चतुर्वेदी रा.प.एवं संचार विश्वविद्यालय से संबद्ध
प्रवेश प्रारंभ
M.Sc PG DCA DCA B.Com BCA TALLY
जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर साइंस
अधारताल भारत गैस के बाजू में मेन रोड जबलपुर
PH.:0761-4066631 Mo.:9827200559, 9893322108

Estd. 2004
यश नर्सरी हा. से. स्कूल
बस एवं हॉस्टल सुविधा उपलब्ध
बोर्ड कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ परिणाम के लगातार 15 वर्ष
9वीं /11 वीं फेल/ पास विद्यार्थी सीधे 10वीं/12 वीं फार्म भरें
10th/12th में परसेन्ट बढ़ाने CBSC/ICSE से MP BOARD में एडमीशन पर स्पेशल डिस्काउंट
English & Hindi Medium
नोटः- हमारे प्रयास से श्रेष्ठ बच्चों के साथ-साथ कमजोर बच्चे भी बेहतर रिजल्ट लाकर दिखाते हैं, इसलिए हम देते हैं बोर्ड परीक्षाओं में शत् प्रतिशत 100% रिजल्ट
गुलाब टावर के सामने, साक्षी बाइक प्वाइंट के बाजू में मानसरोवर कालोनी, अधारताल, जबलपुर
सम्पर्कः- 9303580611, 6263988587, 7987974850, 0761-2680811 (समय- सुबहः 8 से शाम:4 तक)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, एन.एम. पब्लिकेशन प्रा. लि., उखरी चौक, एम.आर.-4 रोड, जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com